04 -छोटे रोजगारों को रौंदता ई-कामर्स

05 - युवा भारतीय महिलाओं की उभरती आकांक्षाएं

A Daily News Magazine

भोपाल

शनिवार, 30 नवंबर, 2024

06 - मुलताई के व्यापारी का अनाज लेकर भागे थे ड्राइवर 1 करोड़ 30...

07 - बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में अधोसंरचना व विकास के शेष कार्य शीघ्र पूर्ण करें...

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-91 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

खड़ी खड़ी अचानक इक दिन
नदी हो जाती है स्त्री
बहते बहते इक दिन अचानक
पहाड़ हो जाती है स्त्री
इक सामान्य सी साँस लेते हुए अचानक
तूफ़ान हो जाती है स्त्री
सबको खुश्बू बाँटती हुई अचानक
एक दिन खार हो जाती है स्त्री
ये सब क्यूँ होता है मगर
क्या होना होता है स्त्री को
और क्या हो जाती है स्त्री
उत्तर हमारे ही भीतर छिपे हैं
जिनको ढूंढ़ने हमें
गहराई में कतई नहीं जाना
जब नहीं रहता कोई पुरुष,पुरुष
तो नहीं रह पाती
कभी कभी कोई स्त्री ,स्त्री !!

- राजीव थेपरा

प्रसंगवश

कांग्रेस राज्यों का चुनाव क्यों हार रही है, कहां हो रही चूक?

दीपक मंडल

इ | सी साल हुए लोकसभा चुनाव में विपक्षी दल जब बीजेपी को अकेले दम पर बहुमत हासिल करने से रोकने में कामयाब रहे थे तो संभवतः सबसे ज़्यादा खुश कांग्रेस पार्टी हुई थी। साल 2014 के लोकसभा चुनावों में 44 और और 2019 के लोकसभा चुनावों 52 सीटों पर सिमटने वाली कांग्रेस को इस साल के लोकसभा चुनावों में 99 सीटों पर जीत मिलीं तो कई राजनीतिक विश्लेषकों और विशेषज्ञों ने इसे कांग्रेस की वापसमी माना। कांग्रेस ने संविधान, आरक्षण, महंगाई और बेरोज़गारी जैसे मुद्दों को उठाकर लोकसभा चुनावों में बीजेपी और एनडीए को दबाव में लाने में बहुत हद तक कामयाबी हासिल कर ली थी।

लेकिन लोकसभा चुनावों में बेहतर प्रदर्शन के बाद कांग्रेस एक बार फिर से राज्यों के लिए हो रहे विधानसभा चुनावों में बुरी हार का सामना कर रही है। जहाँ कांग्रेस के सहयोगी दल जीत रहे हैं, वहाँ भी कांग्रेस का प्रदर्शन अच्छा नहीं दिखा है। जून 2024 में लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के चंद महीने बाद ही हरियाणा में विधानसभा चुनाव होने थे और कांग्रेस के 'जोश' और 'जज़्बे' से ऐसा लग रहा था को वो ये चुनाव जीत लेगी। राहुल गांधी संसद के बाहर और भीतर दोनों जगह, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी पर पूरी तरह हमलावर थे।

लेकिन कांग्रेस को हरियाणा में हार का सामना करना पड़ा। कांग्रेस के साथ यही किस्सा अब राजनीतिक तौर पर देश के दूसरे बड़े अहम राज्य महाराष्ट्र में भी दोहराया गया। झारखंड में पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा की अगुआई वाले गठबंधन में शामिल थी और वो 2019 में जीती 16 सीटों में एक भी सीट का इज़ाफा नहीं कर पाई। इससे पहले, जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस बुरी तरह नाकाम रही। कांग्रेस 90 में से छह सीटें ही जीत पाई और नेशनल कॉन्फ्रेंस की जूनियर पार्टनर बन कर किसी तरह अपनी नाक बचा पाई।

सवाल ये है कि कांग्रेस की रणनीति में कहां खामी है और वो बार-बार कहां चूक रही है?

महाराष्ट्र में बीजेपी, शिवसेना (एकनाथ शिंदे) और अजित पवार की एनसीपी मिल कर महायुति गठबंधन के तहत चुनाव लड़ रही थीं। बीजेपी 149, शिवसेना (शिंदे) 81 और अजित पवार की एनसीपी 59 सीटों पर लड़ रही थीं। विपक्ष की ओर से महाविकास अघाड़ी यानी शिवसेना (उद्धव) 95, कांग्रेस 101 और एनसीपी (शरद पवार) 86 सीटों पर लड़ी थी।

लेकिन महायुति गठबंधन ने 288 में से 235 सीटों पर जीत हासिल की और उसका वोट शेयर रहा 49.6 फ़ीसदी। वहीं विपक्षी महाविकास आघाडी को सिर्फ 35.3 फ़ीसदी वोट मिले और इसे महज 49 सीटों से संतोष करना पड़ा है। जो महाराष्ट्र एक दशक पहले तक कांग्रेस का गढ़ माना जाता था वहां उसे मात्र 16 सीटें मिली हैं।

आखिर महाराष्ट्र में कांग्रेस ने क्या ग़लती की कि उसका चुनावी प्रदर्शन इतना ख़राब रहा। इस बारे में वरिष्ठ पत्रकार रशीद किदवई ने कहा कि अब चुनावी रणनीतिकार चुनाव स्ट्रैटेजी तय करते हैं, मुद्दे तय करते हैं और टिकट बांटने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। कांग्रेस में ये कल्चर ज्यादा हावी है। हाल के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस चुनाव रणनीतिकारों पर निर्भर रही है। हरियाणा में भी यही हुआ था और महाराष्ट्र में भी यही दिखा। कांग्रेस हरियाणा की तरह महाराष्ट्र में भी अपने चुनावी रणनीतिकार सुनील कानुगोलू पर काफी ज्यादा निर्भर रही। उसने हरियाणा में हार से कोई सबक नहीं लिया, जहां गलत उम्मीदवारों को टिकट देने की शिकायतें की थीं। यहां तक कि एक मीटिंग में जब एक पार्टी नेता ने कानुगोलू के आकलन पर सवाल उठाया था तो राहुल गांधी ने उनका मज़ाक उड़ाया था। यहां तक कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को भी टिकट बांटने की कवायद से अलग रखा गया। 'रशीद किदवई कहते हैं,' कांग्रेस की दूसरी गलती ये थी कि उसने सीएम चेहरा नहीं दिया। उद्धव ठाकरे महाविकास आघाड़ी सीएम चेहरा था और कांग्रेस ने कभी इसका विरोध नहीं किया। राहुल गांधी हमेशा कांग्रेस कार्यकर्ताओं से ये कहते रहे कि कांग्रेस जैसी बड़ी पार्टी को बलिदान देना सीखना चाहिए। दूसरी ओर राज्य में पार्टी के बड़े नेता आपस में लड़ते रहे। महाराष्ट्र में महाविकास आघाड़ी के नेताओं में भी विरोधाभास दिखा। 'कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले और एनसीपी (शरद पवार) प्रमुख शरद पवार अलग-अलग सुर में बोलते रहे। राहुल और खड़गे ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया। बीजेपी के पास 'एक हैं सेफ़ हैं' जैसा नारा था, जो इसकी स्ट्रैटेजी बता रहा था। लेकिन कांग्रेस अपनी रणनीति को समेटने वाला कोई मजबूत नारा सामने नहीं रख सकी। बीजेपी ने अपना चुनाव पूरी तरह पार्टी और आरएसएस के संगठन के बूते जीता। बीजेपी भी चुनावी रणनीतिकारों की मदद लेती है, लेकिन वो संगठन या पार्टी पर उसे हावी नहीं होने नहीं देती। बीजेपी ने राज्य में हिंदू मतदाताओं के रुझान का ख्याल रखा। इसी के हिसाब से नारे गढ़े। लाडकी बहिन जैसी लाभार्थी योजना, आरक्षण के सवालों और महाराष्ट्र के किसानों के मुद्दों के इर्द-गिर्द अपनी रणनीति बनाई।

विश्लेषकों का कहना है कि कांग्रेस महाराष्ट्र से जुड़े स्थानीय मुद्दों को उठाने में नाकाम रही। कांग्रेस नेता राहुल गांधी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भी लोकसभा चुनाव के नारे- संविधान बचाओ और जाति जनगणना के मुद्दे दोहराते रहे। कांग्रेस राज्य में आरक्षण के सवाल पर मराठा और ओबीसी के अंतर्विरोध का भी फायदा नहीं उठा पाई। वो आरक्षण के भीतर आरक्षण के मुद्दे पर भी अपनी राय मतदाताओं के सामने नहीं रख सकी। सिर्फ़ संविधान में आरक्षण को लेकर किए गए प्रावधानों को दोहराती रही। इसी तरह की गलतियों की वजह से विदर्भ में कांग्रेस का करारी हार का सामना करना पड़ा जहां लोकसभा में कांग्रेस गठबंधन ने दस में से सात सीटें जीती थीं।

रशीद किदवई कहते हैं कि लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनावों के मुद्दे अलग-अलग होते हैं। वरिष्ठ पत्रकार अदिति फडणीस का मानना है कि कांग्रेस मतदाताओं में अपने वादों के प्रति विश्वास नहीं जगा सकी। महायुति सरकार ने 'लाडकी बहिन' योजना के जरिये पैसा पहुंचाकर ये सुनिश्चित किया कि उसके वादे में दम है। कांग्रेस राज्यों के मुताबिक़ रणनीति नहीं तैयार नहीं कर पाई।

झारखंड में कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा ने मिलकर 70 सीटों पर चुनाव लड़ा था। कांग्रेस ने वहां सिर्फ 16 सीटें हासिल की हैं। गठबंधन में शामिल आरजेडी को चार और सीपीआई (माले) को दो सीटें मिली हैं।बीजेपी ने यहां असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा और मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में चुनावी रणनीति को सिरे चढ़ाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी थी।

(बीबीसी हिंदी में प्रकाशित रिपोर्ट के संपादित अंश)

संसद की कार्यवाही 2 दिसंबर तक स्थगित

- चार दिन में कुल 40 मिनट ही चली कार्यवाही

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत 25 नवंबर को हुई थी। 4 दिन में सदन की कार्यवाही सिर्फ 40 मिनट चली। हर दिन औसतन दोनों सदन (लोकसभा और राज्यसभा) में करीब 10-10 मिनट तक कामकाज हुआ। लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष ने अडाणी और संभल मुद्दा

उठाया। विपक्षी सांसद कार्यवाही के दौरान लगातार हंगामा करते रहे। स्पीकर ने कई बार उन्हें बिठाने की कोशिश की, मगर विपक्ष शांत नहीं हुआ। शुक्रवार को स्पीकर ओम बिरला ने कहा- सहमति-असहमति लोकतंत्र की ताकत है। मैं आशा करता हूं सभी सदस्य सदन को चलने देंगे। देश की जनता संसद के बारे में चिंता व्यक्त कर रही है। सदन सबका है, देश चाहता है संसद चले।

ब्राह्मण सीएम के नीचे दो मराठा, नहीं चलेगा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र चुनाव के नतीजे आए 6 दिन बीत चुके हैं और सीएम का फैसला अधर में लटका है। तीन दिनों की चुप्पी के बाद एकनाथ शिंदे ने बीजेपी के सीएम कैंडीडेट को

- प्रपोजल ठुकराकर शिंदे चले गए गांव
- महायुति की मीटिंग भी टली

समर्थन देने का ऐलान तो किया, मगर शर्तों से महायुति का संकट गहरा दिया। बीजेपी ने एकनाथ शिंदे को मनाने के लिए कई प्रस्ताव बनाए, मगर वह नहीं माने। दिल्ली में अमित शाह के आवास पर तीन घंटे चली मैराथन मीटिंग में भी कोई फैसला नहीं हो सका। शुक्रवार को मुंबई में प्रस्तावित गठबंधन की बैठक भी टाल दी गई। शिंदे बैठक से पहले अपने गांव चले गए। रिपोर्टस के मुताबिक, गुरुवार रात केंद्रीय गृह

मंत्री अमित शाह के साथ मीटिंग में यह साफ किया गया कि देवेंद्र फडणवीस ही महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री होंगे। बीजेपी ने शिंदे के सामने एक बार डिप्टी सीएम बनने की चर्चा की। उन्हें बताया गया कि डिप्टी सीएम का पद लेने से महायुति की एकता का संदेश जाएगा। उन्हें फडणवीस के साथ अन्य दिग्गज नेताओं के बारे में बताया गया, जिन्होंने बड़े पद पर रहने के बावजूद दूसरी जिम्मेदारी ली। इस दलीलों से शिंदे नहीं माने।

महाराष्ट्र में बस हादसा

12 लोगों की मौत

गोंदिया (एजेंसी)। महाराष्ट्र के गोदिंया में शुक्रवार दोपहर बस हादसे में 12 यात्रियों की मौत हो गई। 18 से ज्यादा यात्री घायल हैं। इनमें 10 की हालत गंभीर बताई गई है। दरअसल, महाराष्ट्र राज्य परिवहन महामंडल की शिवशाही बस भंडारा से गोदिंया आ रही थी। हादसा गोंदिया से 30 किमी पहले खजरी गांव के पास हुआ। लोगों के मुताबिक घटना 12.30 बजे के करीब की है। बाइक सवार को बचाने के चक्कर में बस ड्राइवर से बस अन कंट्रोल हुई और सड़क किनारे की रेलिंग से टकराने के बाद पलट गई।

- 18 घायल, बाइक सवार को बचाने में हुआ हादसा

एक्सीडेंट के बाद ड्राइवर मौके से भाग निकला। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। मरने वालों का आंकड़ा बढ़ सकता है। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही महाराष्ट्र के कार्यवाहक सीएम एकनाथ शिंदे ने मृतकों के परिवार को 10-10 लाख रुपए मुआवजे का ऐलान किया। जानकारी के मुताबिक, महाराष्ट्र परिवहन महामंडल की शिवशाही बस 40 यात्रियों को लेकर नागपुर से गोंदिया जा रही थी।

यूके, जर्मनी यात्रा हमारे ऊर्जावान, प्रतिभाशाली युवाओं के लिए खोलेगी नए अवसरों के द्वार : मुख्यमंत्री

प्रदेश के टेक्नो-फ्रेंड युवाओं को मिलेंगे रोजगार के बेहतर अवसर

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपनी जर्मनी और यूके यात्रा को लेकर कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य मध्यप्रदेश में राज्य के युवाओं के लिए निवेश के नए अवसरों का निर्माण करना है। उन्होंने कहा यात्रा का उद्देश्य राज्य के युवाओं के रोजगार, औद्योगिकीकरण और मध्यप्रदेश को देश और दुनिया के सामने एक मजबूत आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित करना था। हमने पूरे समय का सदुपयोग किया। जर्मनी और यूके की यात्रा के बाद, मैं कह सकता हूँ कि यह यात्रा हमारे टेक्नों-फ्रेंड ऊर्जावान, प्रतिभाशाली युवाओं के लिए नए अवसरों के द्वार खोल रही है। जर्मनी के म्यूनिख में सीएम ने निवेशकों से चर्चा के बाद एक निवेशक को वहीं पर भोपाल के आचारपुरा

औद्योगिक इलाके में इंड्रस्टी लगाने के लिए जमीन आवंटन का पत्र सौपकर सराहनीय पहल की?

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को म्यूनिख में अपने औद्योगिक प्रायोजन संबंधी यात्रा के अंतिम दिन स्थानीय मीडिया से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस यात्रा में किए गए प्रयासों से उन्हें न केवल सफलता मिली बल्कि समझने और सीखने का भी अवसर मिला। उन्होंने यात्रा के दौरान हर पल और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अपनी टीम के सदस्यों और प्रदेशवासियों को बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जब हम एकजुट होकर अच्छी योजना बनाते हैं, तो परिणाम भी अच्छा होता है और हमें जर्मनी से यही मिल रहा है। जर्मनी और आगे बढ़ रहा है। मैं महसूस करता हूँ कि वहां एक आंतरिक उत्साह है जो उन्हें अपनी

वर्क फोर्स बनकर करेंगे काम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जर्मनी और यूके आर्थिक और तकनीकी रूप से साधन संपन्न देश हैं, उन्हें आवश्यकता है तो मेन पॉवर की। हमारे पास मेन पॉवर उपलब्ध है, तकनीकी रूप से दक्ष युवा है, दोनों को जोड़ने के लिए यदि जरूरत है तो भाषा की। लैंग्वेज प्रॉब्लम को दूर कर हम एक-दूसरे के पूरक के रूप में वर्क-फोर्स बनकर काम करेंगे।

ग्लोबल लीडर हैं प्रधानमंत्री मोदी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का कार्यकाल स्वर्णिम है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ग्लोबल लीडर हैं और उनके विजन से देश आगे बढ़ रहा है। उनके नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार में मध्यप्रदेश विकास की ओर अग्रसर है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जर्मनी हमारा मित्र देश है। दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों के मध्य बेहतर समन्वय का हमें भी लाभ मिला है। जर्मन बढ़ते भारत और आगे बढ़ते मध्यप्रदेश के साथ भविष्य में व्यापार एवं उद्योग के लिए आगे बढ़ रहे हैं।

भोपाल में डॉक्टर दंपत्ति डिजिटल अरेस्ट, 10.50 लाख ऐंठे

भोपाल (नप्र)। भोपाल के वृद्ध डॉक्टर दंपत्ति को साइबर ठगों ने 48 घंटे तक डिजिटल अरेस्ट रखा। शुक्रवार सुबह मामले की शिकायत भोपाल पुलिस तक पहुंची। तब उन्हें रेस्क्यू किया गया। इस दौरान साइबर ठगों और पुलिस के बीच वीडियो कॉल पर तीखी नोक-झोंक हुई। आरोपियों के झांसे में आने के बाद बुजुर्ग

रेस्क्यू करने पहुंची पुलिस से भी जालसाजों ने की बहस, बोले- काम में दखल न दें

महिला गुरुवार को निफ्ट से 10.50 लाख रुपए आरोपियों को ट्रांसफर भी कर चुकी हैं। जालसाजों ने उन्हें मनी लांड्रिंग के मामले में फंसाने की धमकी दी थी। उनके बैंक अकाउंट का इस्तेमाल गलत काम किए जाने की भी बात कही गई।

कहा- खाते में मनी लॉन्ड्रिंग के 427 करोड़ आए- रागिनी मिश्रा (65) और उनके पति महेशचंद्र मिश्रा (67) रिगल

पैराडाइज फेस-2 के सातवें फ्लोर में स्थित फ्लैट नंबर 708 में रहते हैं। दोनों डॉक्टर हैं और कानपुर में पदस्थ रहे हैं। बीते चार सालों से भोपाल में रह रहे हैं।

रागिनी ने पुलिस को बताया कि बुधवार की सुबह मार्निंग वॉक के लिए कॉलोनी में निकली थीं। तभी उन्हें कॉल आया। कॉल करने वाले ने स्वयं को सीबीआई का अधिकारी बताया। कहा कि आपका निजी बैंक का खाता मनी लॉन्ड्रिंग में इस्तेमाल हो रहा है। इसमें में 427 करोड़ रुपए अवैध रूप से आए हैं। कोरिया की एक एयरलाइंज कंपनी ने इस खाते में कई ट्रांजैक्शन किए गए हैं।

पीड़िता ने जब इस बैंक में खाता नहीं होने की बात कही तो उन्हें बताया कि खाता खोलने के लिए आधार आपका इस्तेमाल किय गया है। इस आधार से कई अन्य खाते भी खोले गए हैं, सभी का इस्तेमाल अवैध कार्यों के लिए किया जा रहा है। इससे वह घबरा गईं। जब उन्होंने सफाई दी तो आरोपियों ने वीडियो कॉल पर उनसे बात की। वह पुलिस की वर्दी में था और पीछे का बैक ग्राउंड किसी अधिकारी के कमरे जैसा था और सीबीआई लिखे बैनर भी दिख रहे थे। उसने कहा कि आप भली औरत लग रही हैं। यह क्या गलत कामों में फंस गई हैं। अखबारों और मीडिया में आपकी बदनामी होगी। हम मामले की जांच कराएंगे।

प्रयागराज महाकुंभ की सुरक्षा कमांडों के हाथ

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ 2025 के आयोजन को केवल धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि सुरक्षा के मामले में भी ऐतिहासिक बनाने की तैयारी हो रही है। पहली बार इस महापर्व में 200 विशेष रूप से प्रशिक्षित किए जा रहे हैं। ये कमांडो आग जैसी किसी भी आपदा से निपटने के लिए पूरी तरह सक्षम होंगे। इन कमांडो को खास तौर पर कुंभ मेला के लिए प्रशिक्षण दिया गया है। महाकुंभ में सुरक्षा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए विशेष बचाव समूह (एसटीआरजी) का गठन किया गया है। अपर पुलिस महानिदेशक

(एडीजी) अग्निशमन, पद्मजा चौहान के अनुसार, यह समूह एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की तर्ज पर तैयार किया गया है। इन फायर कमांडो को एनडीआरएफ और सीआईएसएफ हैदराबाद द्वारा विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। 200 कर्मचारियों को 10-10 सदस्यों के 20 समूहों में विभाजित किया गया है, जो महाकुंभ के अति संवेदनशील क्षेत्रों में तैनात रहेंगे। इस बार महाकुंभ में आधुनिक तकनीक का उपयोग सुरक्षा के लिए किया जाएगा। पहली बार तीन रोबोटिक फायर टेंडर शामिल किए गए हैं। इनका वजन मात्र 20-25 किलोग्राम है।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 23 °c | न्यूनतम 18°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शनिवार, 30 नवंबर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

तीन राज्यों को मिलाकर बनेगा देश का सबसे बड़ा चीता-कॉरिडोर

राजस्थान के साथ एमपी और यूपी के 22 जिले जुड़ेंगे ; 2 हजार किलोमीटर का होगा सर्किट

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के चीतों को राजस्थान में बसाने की तैयारियों को तेज कर दिया गया है। इसके लिए बाकायदा चीता कॉरिडोर भी बनाया जाएगा। तीन राज्य (मध्यप्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश) मिलाकर देश का यह सबसे बड़ा चीता कॉरिडोर बनाएंगे।

1500 से 2000 किलोमीटर तक के इस कॉरिडोर से तीनों राज्यों के 22 जिले जुड़ेंगे। यह चीता कॉरिडोर मध्य प्रदेश के कोनों से शिवपुरी से होकर राजस्थान के मुकुंदरा टाइगर रिजर्व से होते हुए मंदसौर के गांधी सागर सेंचुरी तक फैला होगा। नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी द्वारा प्रस्तावित परियोजना कार्य में इसका खुलासा किया गया है। चीता संरक्षण के लिए बनाए जा रहे 1500 से 2000 किलोमीटर तक के कॉरिडोर से देश के 3 राज्यों के 22 जिले जुड़ेंगे।

चीता के संरक्षण की दिशा में कोशिश- कूनो नेशनल पार्क मध्यप्रदेश से राजस्थान तक कॉरिडोर बनाने की तैयारी को तेज कर दिया गया है। इसके लिए इन 22 जिलों के वन अधिकारी आज रणथंभौर में जुटे है। वे यहां इस चीता कॉरिडोर के प्रोजेक्ट पर मंथन कर रहे है और प्लान तैयार करेंगे।

विस्तृत चर्चा कर तैयार होगा प्लान- दरअसल कूनो नेशनल पार्क के चीते अब राजस्थान में भी घूमेंगे। इसके लिए कूनो पार्क से राजस्थान की सीमाओं से सटे इलाकों में कॉरिडोर बनाने की तैयारी चल रही है। इसी दिशा में चीतों के संरक्षण को लेकर आज रणथंभौर में मंथन हो रहा है। यहां होटल सवाई विलास में 3 राज्यों के 22 जिलों के आला वनाधिकारी और चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन जुटे हैं। इस दौरान चीतों को खुले जंगल में छोड़ने, जिले की सीमा से बाहर जाने पर उनकी देखरेख करने आदि विषयों पर विस्तृत चर्चा कर प्लान तैयार किया जाएगा।

एम्स भोपाल में 3डी मॉडलिंग और प्रिंटिंग से चिकित्सा क्षेत्र में नई क्रांति की शुरुआत

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रोफेसर (डॉ.) अजय सिंह के नेतृत्व में संस्थान लगातार नवाचार, अनुसंधान और शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है। इसी क्रम में, एम्स भोपाल की 3ष्ठ कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग लैब ने 'चिकित्सा अनुप्रयोगों के लिए 3डी मॉडलिंग और प्रिंटिंग' पर एक कार्यशाला आयोजित की। यह कार्यशाला स्वास्थ्य देखभाल और चिकित्सा शिक्षा में नई तकनीकी पहल को शामिल करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस कार्यशाला का उद्घाटन प्रो. सिंह ने किया, जिनकी दूरदर्शिता और नेतृत्व से इस अत्याधुनिक 3डी लैब की स्थापना संभव हो पाई। प्रो. सिंह ने कहा, एम्स भोपाल की 3डी कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग और प्रिंटिंग लैब हमारी स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में नवाचार का प्रतीक है। इस प्रौद्योगिकी से हम सर्जरी की योजना, मरीज की आवश्यकता के अनुसार इलाज और चिकित्सा शिक्षा को बेहतर बना सकते हैं। प्रो. सिंह ने अत्याधुनिक सुविधा विकसित करने में कोर कमेटी के प्रयासों की भी सराहना की, जो अद्वितीय स्थिरता और परिशुद्धता के साथ लाखों रंगों में मॉडल तैयार कर सकती है। इस कार्यशाला के माध्यम से हम इस तकनीकी का उपयोग करने के नए तरीके सीख रहे हैं, जिससे हम भविष्य में बेहतर रोगी देखभाल प्रदान कर सकेंगे।

कार्यशाला के दौरान, 3डी प्रिंटिंग की तकनीकों और उनके चिकित्सकीय उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इसके अलावा, एक विचार-मंथन सत्र आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने अपने विचार साझा किए और 3डी प्रिंटिंग के उपयोग को बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की। यह कार्यशाला एम्स भोपाल की 3डी कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग लैब द्वारा आयोजित किए जाने वाले कई प्रशिक्षण कार्यक्रमों की शुरुआत है। इन सत्रों का उद्देश्य चिकित्सकों और शोधकर्ताओं को 3डी तकनीक का सही तरीके से इस्तेमाल सिखाना है। यह श्रृंखला सरल विषयों से शुरू होकर धीरे-धीरे उन्नत तकनीकों तक जाएगी।

3ष्ठ कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग लैब, जो जुलाई 2024 में स्थापित की गई थी, एम्स भोपाल की स्वास्थ्य देखभाल और चिकित्सा क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। आगे इस तकनीक के अधिकतम लाभ के लिए नियमित कार्यशालाएँ और सहयोगात्मक सत्र आयोजित किए जाएंगे। इस कार्यशाला में एम्स भोपाल के विभिन्न चिकित्सा विभागों के शिक्षक शामिल हुए और 3डी मॉडलिंग और प्रिंटिंग के जरिए मरीजों की देखभाल, शोध और चिकित्सा शिक्षा में सुधार पर चर्चा की गई।

संक्षिप्त समाचार

दुबई में करोड़ों की संपत्ति 'छिपाकर' बैठे हैं भारतीय

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश में प्रॉपर्टी खरीदने के मामले भारतीयों की फेवरेट डेस्टिनेशन दुबई हो गई है। लेकिन टैक्स चोरी भी दुबई के जरिए काफी की जा रही है। इनकम टैक्स की जांच में यह बात सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार इनकम टैक्स को दुबई में भारतीयों की अघोषित

अचल संपत्तियों के बारे में पता चला है। इसमें 500 से अधिक संपत्तियां ऐसी हैं जिन पर कार्रवाई हो सकती है। यानी ये ऐसी संपत्तियां हैं जिनके बारे में इनकम टैक्स विभाग को या तो कोई जानकारी नहीं दी और अगर दी है तो भ्रामक। इनकम टैक्स की इस छापेमारी में अकेले दिल्ली से 700 करोड़ रुपये से अधिक के बेहिसाब लेन-देन के सबूत मिले हैं। एक दर्जन से अधिक तलाशी ली हैं।

लोकसभा के बाहर पंजाब कांग्रेस के सांसदों का विरोध

लुधियाना (एजेंसी)। पंजाब कांग्रेस के प्रदेश प्रधान और लुधियाना से सांसद अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने लोक सभा में भाजपा के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। लोकसभा भवन के बाहर आज वड़िंग के साथ पटियाला से सांसद धर्मवीर गांधी, गुरदासपुर से सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा, श्री फतेहगढ़ साहिब से सांसद डॉ. अमर

सिंह और फिरोजपुर से सांसद शेर सिंह घुबाया ने भाजपा खिलाफ नारेबाजी की। लोकसभा के बाहर खड़े होकर भाजपा के खिलाफ हाथ में तख्तियां पकड़ विरोध जताया। राजा वड़िंग ने भाजपा को किसान विरोधी बताते हुए कहा कि भाजपा पंजाब से फसलों की खरीद करने में देरी कर रही है। इस बीच राजा वड़िंग ने केन्द्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू पर भी निशाना साधा।

भारतीय अधिकारियों के मैसेज पढ़ रहे थे कनाडाई अफसर

ओटावा (एजेंसी)। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को संसद में बताया कि कनाडा के वैंकूवर में भारतीय वाणिज्य दूतावास के अधिकारियों के 'ऑडियो-वीडियो' मैसेज पर निगरानी रखी जा रही थी और यह अभी भी जारी है। उनके निजी मैसेज को भी पढ़ा जा रहा था। यह

जानकारी खुद कनाडा के अधिकारियों ने भारतीय अधिकारियों को दी है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने कहा कि भारत सरकार ने 2 नवंबर को एक नोट भेजकर ट्रूडो सरकार से इसकी शिकायत की थी और इसे राजनयिक प्रावधानों का उल्लंघन बताया था। कीर्ति वर्धन सिंह ने राज्यसभा में एक लिखित सवाल के जवाब में यह जानकारी दी। उनसे इसके बारे में पूछा गया था।

सलकनपुर में टैक्सी का हुआ ब्रेक फेल, बिजली के खंभे से टकराई... 5 श्रद्धालु हो गए घायल

दो घायलों को इलाज के लिए भोपाल भेजा गया

सलकनपुर (नप्र)। सीहोर जिले के प्रसिद्ध तीर्थ मां बिजासन धाम सलकनपुर में हादसे नहीं थम पा रहे हैं। प्राइवेट अनफिट टैक्सियों की मनमानी के कारण आए दिन यहां पर हादसे हो रहे हैं। ऐसे में यहां आने वाले श्रद्धालुओं की जान के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। ऐसा ही हादसा एक बार फिर गुरुवार रात करीब 8.30 बजे हो गया। सागर निवासी कुछ लोग नर्मदा परिक्रमा के लिए निकले हुए हैं, इसी दौरान जब वे सलकनपुर पहुंचे तो उन्होंने निजी टैक्सी की गाड़ी की और उसमें 10 लोग सवार होकर मां विजयासन धाम के दरबार में पहुंचे।

गाड़ी में सवार 10 में से 5 लोगों को आई चोट- दर्शन करके जब ये लोग घाटी से नीचे आ रहे थे, तभी इनकी गाड़ी के ब्रेक फेल हो गए और वह बिजली के खंबे से जा टकराई। घटना पहाड़ी पर सूर्य गेट के पास की बताई जा रही है। इसमें गाड़ी में सवार 10 लोगों में से 5 लोगों को चोटें आई है।

घटना की सूचना मिलते ही सलकनपुर चौकी प्रभारी भवानी सिंह सिकरवार टीम के साथ रवाना हुए एवं मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली।

सभी घायलों को गाड़ी से रेहटी स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। यहां पर घायलों का प्राथमिक इलाज किया गया।

दो लोगों के मुंह में ज्यादा चोटें थी, इसके चलते उन्हें भोपाल के लिए रेफर किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सलकनपुर चौकी प्रभारी भवानी सिंह सिकरवार ने बताया कि इस मामले में एफआईआर दर्ज की जाएगी।

लगातार हो रहे हादसे, फिर भी सबब नहीं- सलकनपुर में लगातार हादसे हो रहे हैं। इसके बाद भी यहां पर मंदिर समिति एवं जिला प्रशासन द्वारा सबब नहीं लिया जा रहा है। निजी टैक्सी की गाड़ियों से यहां पर श्रद्धालुओं को उपर लाने ले जाने का कार्य किया जा रहा है। यहां पर संचालित हो रही ज्यादातर गाड़ियां कंडम स्थिति में है।

इन गाड़ियों की आरटीओ द्वारा भी जांच की गई थी, लेकिन आरटीओ ने गाड़ियों पर कार्रवाई करने के बजाए उन्हें यहां पर चलाने की छूट दे दी। ऐसे में अब इन कंडम वाहनों से यहां आने वाले श्रद्धालुओं की जान से खिलवाड़ किया जा रहा है।

यहां बता दें कि इस वर्ष जनवरी से लेकर अब तक यहां पर इन टैक्सी वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने से कई लोगों की जानें जा चुकी हैं तो वहीं कई लोग घायल भी हुए हैं।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय का दुर्लभ बीमारियों के लिए क्राउड फंडिंग पोर्टल

भोपाल। एम्स भोपाल, जिसे आधिकारिक तौर पर स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा दुर्लभ रोगों के लिए उत्कृष्टता केंद्र के रूप में नामित किया गया है, दुर्लभ बीमारियों वाले रोगियों के लिए अत्याधुनिक सेवाएं प्रदान करने के लिए समर्पित है। इन रोगियों के इलाज में आर्थिक सहायता के लिए, एम्स भोपाल जनता को दुर्लभ बीमारियों के लिए क्राउड फंडिंग पोर्टल की उपलब्धता के बारे में सूचित करता है, जो पर अभिगम्य है। यह पोर्टल दुर्लभ बीमारियों के प्रबंधन और उपचार के लिए आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों और व्यक्तियों के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन के रूप में कार्य करता है। क्राउड फंडिंग पहल दुर्लभ बीमारी के रोगियों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने और आवश्यक चिकित्सा सेवाओं तक समान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए एम्स भोपाल की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। अधिक जानकारी और सहायता के लिए, रोगियों और परिवारों को पोर्टल पर जाने या एम्स भोपाल की समर्पित दुर्लभ रोग इकाई से संपर्क करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

एम्स भोपाल की 'डॉक्टर टू डॉक्टर' पहल

दूरस्थ क्षेत्रों में विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक, प्रोफेसर (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में, संस्थान ने स्वास्थ्य सेवाओं को जमीनी स्तर तक मजबूत करने के उद्देश्य से एक अभिनव टेलीहेल्थ कार्यक्रम शुरू किया है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत, 'डॉक्टर टू डॉक्टर' पहल का उद्देश्य दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों के अस्पतालों के डॉक्टरों और एम्स भोपाल की विशेषज्ञ मेडिकल टीम के बीच वर्चुअल सहयोग को बढ़ावा देना है। यह पहल चिकित्सा सेवाओं को दूरस्थ और पिछड़े क्षेत्रों तक पहुंचाने के लिए डिज़ाइन की गई है।

डी टू डी पहल के तहत एम्स भोपाल के 24 विभागों के विशेषज्ञों की एक टीम और अन्य केंद्रों के भाग लेने वाले डॉक्टरों के बीच वर्चुअल इंटरेक्टिव सत्र शामिल हैं। इसके अलावा विशिष्ट केस-आधारित समस्याओं के बारे में प्रबंधन, परामर्श और शिक्षा शामिल है। हैं। प्रत्येक दिन चार विभागों के विशेषज्ञ पूर्व-निर्धारित समय स्लॉट के माध्यम से उपलब्ध होते हैं। यह सत्र सोमवार से शुक्रवार तक दोपहर 3:00 बजे से 4:00 बजे और शनिवार को दोपहर 12:00 बजे से 1:00 बजे तक संचालित होते हैं।

कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रो. सिंह ने कहा, डी टू डी पहल केवल एक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह सभी के लिए समान स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने का एक दृष्टिकोण है। टेली-कम्युनिकेशन तकनीक का उपयोग करके, हम दूरी की बाधाओं को समाप्त कर रहे हैं और जरूरतमंदों तक विशेषज्ञ देखभाल पहुंचा रहे हैं। इस पहल से ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के मरीजों को लाभ होगा।

5 जिलों में कर्फ्यू में ढील, इंटरनेट पर लागू रहेगा बैन

मणिपुर में 13 दिन बाद खुल गए स्कूल और कॉलेज

इंफाल (एजेंसी)। 13 दिनों तक बंद रहने के बाद इम्फाल और जिरीबाम में स्कूल और कॉलेज शुक्रवार को फिर से खुल गए। एजुकेशन डायरेक्टरेट ने गुरुवार को इंफाल ईस्ट, इंफाल वेस्ट, बिष्णुपुर, काकचिंग, थौबल और जिरीबाम जिलों में स्कूल दोबारा खोले जाने का आदेश दिया था। हायर एंड टेक्निकल एजुकेशन डिपार्टमेंट ने भी सभी सरकारी सहायता प्राप्त कॉलेज और स्टेट यूनिवर्सिटीज को शुक्रवार से ही खोलने के आदेश जारी किया था। जिरीबाम में सुरक्षा बलों और कुकी उग्रवादियों के बीच गोलीबारी के बाद 16 नवंबर से सभी स्कूल और कॉलेज बंद थे। झड़प में 10 उग्रवादी मारे गए थे। इसके बाद उग्रवादी राहत शिविर से एक मैतेई परिवार के छह लोगों को अगवा कर ले गए थे। कुछ दिनों बाद मणिपुर और असम में जिरी और बराक नदियों में उनके शव मिले थे। राज्य सरकार ने शुक्रवार को घाटी के सभी पांच जिलों और जिरीबाम में सुबह 5 बजे से शाम 4 बजे तक कर्फ्यू में ढील दी है। ताकि लोग जरूरी चीजों और दवाओं की खरीदारी कर सकें। साथ ही कहा है कि इस दौरान बिना परमीशन कोई भी सभा/धरना/रैली नहीं होगी। हिंसा भड़कने के बाद से इंफाल वेस्ट, इंफाल ईस्ट, बिष्णुपुर, थौबल, काकचिंग, कांगपोकपी, चुराचांदपुर, जिरीबाम और फेरज़ॉल समेत 9 जिलों में मोबाइल इंटरनेट और डेटा सेवाएं बंद हैं। जिरीबाम से अगवा कर मारे गए 6 लोगों में बाकी 3 लोगों की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट 27 नवंबर को आई। इसमें एक महिला और दो बच्चे शामिल हैं। तीनों के शवों पर गोलियों के निशान और गंभीर चोटें पाई गई हैं। रिपोर्ट से पता चलता है कि तीनों की मौत शव मिलने 3 से 5 दिन पहले हो चुकी थी।

- जिरीबाम हिंसा के बाद से बंद थे, 10 उग्रवादी मारे गए थे

कोलकाता में हिंदू सड़कों पर मुसलमान भी कर रहे विरोध

- बांग्लादेश हिंसा: जाम हो गईं गलियां, चरमरा गई यातायात की पूरी व्यवस्था

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगल की राजधानी कोलकाता में गुरुवार को सड़कें जाम रहीं। हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। हिंदू संगठनों ने बांग्लादेश में चल रहे संकट के खिलाफ प्रदर्शन किया, वहीं मुस्लिम संगठनों ने केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित वक्फ संशोधन विधेयक के विरोध में प्रदर्शन किया। पश्चिम बंगाल स्टेट जमीयत-उल-उलमा की तरफ से विरोध में एक सभा आयोजित की गई। शहर के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग इस विरोध में शामिल हुए। उन्होंने वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ आवाज उठाई और साथ ही एक स्वतंत्र फिलिस्तीन राज्य की भी मांग की।

हिंदुओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी लेनी ही होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में लगातार हिंदू अल्पसंख्यकों पर अत्याचार के मामले बढ़ रहे हैं। हाल ही में इस्कॉन से जुड़े चिन्मय दास को वहां की सरकार ने देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया। भारत ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की स्थिति पर चिंता जताई है। विदेश मंत्रालय ने सख्त संदेश भी दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा है कि बांग्लादेश सरकार को अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी।

संभल मस्जिद की सर्वे रिपोर्ट नहीं खुलेगी 'सुप्रीम' आदेश

हिंसा भड़काने के आरोपी सपा सांसद के पिता जुमे की नमाज पढ़ने पहुंचे

संभल (एजेंसी)। संभल की जामा मस्जिद मामले में शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने आदेश दिया कि मस्जिद की सर्वे रिपोर्ट नहीं खुलेगी। सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट से कहा कि 8 जनवरी तक केस में कोई एक्शन न लें। शांति जरूरी है। गुरुवार को संभल की शाही जामा

मस्जिद की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी। सीजेआई की बेंच में इस पर सुनवाई हुई। शुक्रवार को जामा मस्जिद में सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क के पिता ममलूकुर्रहमान बर्क नमाज पढ़ने पहुंचे। पुलिस ने जियाउर्रहमान बर्क को हिंसा भड़काने का आरोपी बनाया है। जुमे के दिन करीब एक हजार लोग नमाज के लिए पहुंचे। इससे पहले, संभल की चंदौसी कोर्ट में सर्वे रिपोर्ट पेश नहीं हुई।

उज्जैन में सांसद-मंत्री के सामने भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष के साथ हाथापाई, स्वागत सभा में भिड़े कार्यकर्ता

उज्जैन (नप्र)। महिदपुर में जिले के प्रभारी मंत्री के स्वागत के दौरान भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष व पूर्व विधायक बहादुरसिंह चौहान के साथ मारपीट हो गई। इससे वहां हंगामा मच गया और कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। प्रभारी मंत्री और सांसद ने हस्तक्षेप कर मामले को शांत किया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मामले में पुलिस ने 30 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल व सांसद अनिल फिरोजिया का दौरा- जिले के प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल व सांसद अनिल फिरोजिया शुक्रवार को महिदपुर के ग्राम नारायणा में स्वास्थ्य केंद्र और खोरिया सुमरा में ग्रिड के उद्घाटन के लिए पहुंचे थे। इस दौरान उनके स्वागत के लिए कई जगह मंच बनाए गए थे। नारायणा रोड पर गौरिक दूध डेयरी के बाहर संचालक सुभाष ठाकुर ने स्वागत कार्यक्रम रखा था।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष को नहीं किया आमंत्रित- बताया जा रहा है कि इसमें भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष व पूर्व विधायक बहादुर सिंह चौहान को आमंत्रित नहीं किया गया था। चौहान जबरन मंच पर चढ़ गए। मंच पर भाजपा जिला अध्यक्ष बहादुर सिंह बोरमुंडला, प्रताप सिंह आर्य सहित अन्य लोग मौजूद थे।

पूर्व विधायक की पिटाई- स्वागत के बाद सांसद फिरोजिया व चौहान मंच से उतरे। तभी वहां मौजूद कुछ कार्यकर्ताओं ने चौहान की पिटाई कर दी।

24 जिलों की 1295 पीवीटीजी बसाहटों में बनेंगी 1284.29 किमी लम्बी 1035 सड़कें

5 चरणों में निर्मित की जायेगी स्वीकृत सड़कें, जून 2025 तक पूरा हो जायेगा पहला चरण

भोपाल (नप्र)। प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जन-मन) में केन्द्र सरकार प्रदेश के 24 जिलों में निवासरत 3 विशेष पिछड़ी जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) की सभी बसाहटों तक एप्रोच रोड तैयार कर रही हैं। केन्द्र सरकार द्वारा पीएम जन-मन में प्रदेश की चिन्हित कुल 1295 पीवीटीजी बसाहटों में कुल 1284.29 किलोमीटर लम्बाई वाली 1035 सड़कें मंजूर की गई है। गांव-गांव तक कुल 1050 करोड़ रूपये की लागत से बनने वाली इन सम्पर्क सड़कों का निर्माण कार्य 5 चरणों में पूरा किया जायेगा। पहला चरण जून 2025 तक पूरा कर लेने का लक्ष्य तय किया गया है।

पहले चरण में 235 करोड़ रूपये की लागत से 295 किमी लम्बी 125 सड़कें बनाई जा रही है। इन पर काम तेजी से जारी है। पहले चरण के ही दूसरे भाग में 150.72 करोड़ रूपये की लागत से 180.29 किमी लम्बी 40 सड़कें बनाई जानीं है। इनके लिये निर्माण एजेंसी तय कर दी गई हैं। दूसरे चरण में 112.69 करोड़ रूपये लागत से 152 किमी लम्बी 60 सड़कें बनाई जायेंगी। तीसरे चरण 162 करोड़ रूपये की लागत से 216 किमी लम्बी 86 सड़कें निर्मित की जायेंगी। चौथे चरण में 187.74 करोड़ रूपये से 254 किमी लम्बी 97 सड़कें तथा 5वें चरण में 801 करोड़ रूपये लागत से 1187 किमी लम्बाई वाली 627 सड़कें तैयार की जायेंगी। पीएम जन-मन अभियान में सभी गांव-गांव पहुंच सड़कें प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ।भागके अधीन निर्माण एजेंसी मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण (एमपी आरआरडीए) द्वारा बनाई जायेंगी। निर्माण एजेंसी एमपी आरआरडीए द्वारा पहले चरण में मंजूर हुईं। सभी सड़कें जून 2025 तक निर्मित कर लेने के लिये तेजी से कार्य किया जा रहा है। दूसरे, तीसरे, चौथे एवं 5वें चरण में स्वीकृत सड़कों का निर्माण कार्य भी हर हाल में वर्ष 2025 के अंत तक पूरा कर लेने के लिये निर्माण एजेंसी ने ठोस तैयारी कर ली है।

मतदाता शिक्षा और जागरूकता के सर्वोत्तम अभियान को मिलेगा नेशनल मीडिया अवॉर्ड-2024

मीडिया संस्थान 10 दिसम्बर तक भेज सकेंगे प्रस्ताव

भोपाल (नप्र)। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा मतदाता शिक्षा और मतदान जागरूकता के सर्वोत्तम अभियान के लिये नेशनल मीडिया अवॉर्ड-2024 प्रदान किये जायेंगे। मीडिया संस्थानों को पुरस्कार चार श्रेणियों में प्रदान किये जायेंगे। पुरस्कार मतदाताओं को मतदान के लिये प्रेरित करने और मतदान के प्रति जागरूकता के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिये चलाये जा रहे उत्कृष्ट अभियानों को प्रोत्साहित करने के लिये दिये जायेंगे। आयोग ने 10 दिसम्बर 2024 तक संस्थानों से प्रस्ताव आमंत्रित किये हैं।

प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक (टेलीविजन) मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक (रेडियो) मीडिया और ऑनलाइन (इंटरनेट एवं सोशल) मीडिया श्रेणियों में पृथक-पृथक पुरस्कार दिये जायेंगे। वर्ष-2024 में मतदान के प्रति मतदाताओं को जागरूक करने के लिये मीडिया संस्थानों द्वारा किये गये उत्कृष्ट कार्यों और विशिष्ट उपलब्धियों को प्रदर्शित करते हुए चार पृथक-पृथक श्रेणियों में अपने प्रस्ताव भेजने होंगे। सभी नामांकनों पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा गठित मीडिया अवार्ड जूरी विचारोपरान्त निर्णय लेगी।

नेशनल मीडिया अवार्ड-2024 से संबंधित विस्तृत विवरण (मेमोरेण्डम) कार्यालय मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश की वेबसाइट और जनसम्पर्क विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। मीडिया संस्थान अपने प्रस्ताव श्री राजेश कुमार सिंह, अवर सचिव (संचार), भारत निर्वाचन आयोग, निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली 110001 को भेजे जा सकते हैं। संस्थान अपने प्रस्ताव मेमोरेण्डम में लिखी शर्तों का पालन करते हुए ई-मेल एड्रेस media-division@eci.gov.in पर भी भेज सकते हैं।

53 ईएफए विद्यालयों में संस्कृत कक्षाओं का संचालन

राज्य ओपन स्कूल शिक्षा बोर्ड संस्कृत शिक्षा को दे रहा है बढ़ावा

भोपाल(नप्र)। प्रदेश में संस्कृत शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड अरूण, उदय और प्रभात कक्षाओं का संचालन 53 चयनित एजुकेशन फॉर ऑल (ईएफए) स्कूल में कर रहा है। इन विद्यालयों में संस्कृत माध्यम की कक्षाएं इस वर्ष शैक्षणिक सत्र से प्रारंभ हो गई हैं।

देश की सांस्कृतिक विरासत में संस्कृत भाषा का प्राचीन काल से महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इस बात को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में संस्कृत भाषा के विस्तार के लिये विशेष प्रावधान रखे गये हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में उल्लेख किया गया है कि संस्कृत भाषा केवल संस्कृत पाठशाला एवं विश्वविद्यालयों तक सीमित न रहे बल्कि इसे मुख्य धारा में लाया जाये। इसके अनुपालन में प्रदेश में प्री-स्कूल के 3 वर्ष तथा कक्षा 1 और 2 के 2 वर्ष इस प्रकार बच्चे की उम्र 3 से 8 वर्ष की अवधि में बच्चों को संस्कृत माध्यम से पढ़ाई कराये जाने के प्रयास किये जा रहे हैं। स्कूल शिक्षा विभाग संस्कृत माध्यम के विद्यालयों के संचालन की निगरानी भी रख रहा है। संस्कृत भाषा एक बीज भाषा है। यह भाषा सभी भाषाओं की जननी है। बाल मनोवैज्ञानिकों के अनुसार बच्चों के मस्तिष्क का 85 प्रतिशत विकास 6 वर्ष की अवस्था से पूर्व हो जाता है। शोध में यह बात भी सामने आयी है कि जो विद्यार्थी प्रारंभ से संस्कृत भाषा बोलते हैं, वे बाद के वर्षों में विश्व की किसी भी भाषा को बोलने की क्षमता रखते हैं। इसको दृष्टिगत रखते हुए 53 संस्कृत विद्यालय प्रदेश में प्रारंभ किये गये हैं। यह एक ऐसा अनोखा प्री-स्कूल है, जिसमें छोटे बच्चों को संस्कृत माध्यम से भारतीय संस्कृति और परम्परा के बारे में सीखने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। इन विद्यालयों में पुस्तकालय, प्रदर्शन क्षेत्र, कठपूतली का कोना, विश्राम क्षेत्र, कहानी का कोना, कला कोना, खिलौनों का कोना, उत्सव की दीवार, भोजन क्षेत्र, संस्कृत अध्ययन सामग्री, बाल उपवन, तुलसी का बर्तन और ध्यान कुटिया जैसी सुविधाएं बच्चों को उपलब्ध कराई गई हैं।

हुजूर-गोविंदपुरा विधानसभा में सबसे ज्यादा नए वोटर

भोपाल में 1 महीने में 8300 मतदाता बढ़े; इनमें महिला आधे से ज्यादा

भोपाल (नप्र)। भोपाल की 7 में से 2 विधानसभा- हुजूर और गोविंदपुरा में सबसे ज्यादा नए वोटर जुड़े हैं। इन दोनों विधानसभाओं में ही करीब 5 हजार नए वोटर्स ने नाम जुड़वाने के लिए आवेदन किए हैं। वहीं, नरेला-भोपाल मध्य विधानसभा में सबसे कम आवेदन किए गए हैं। अब 24 दिसंबर तक दावे-आपत्ति का निराकरण होगा, जबकि अगले साल 6 जनवरी को फाइनल वोटर लिस्ट का प्रकाशन होगा।

वोटर लिस्ट संबंधित दावे-आपत्ति करने के लिए गुरुवार को आखिरी दिन था। इस दिन भी बड़ी संख्या में मतदाताओं ने नाम जुड़वाने के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों ही तरीकों से फॉर्म जमा किए। चुनाव आयोग इनका निराकरण 24 दिसंबर तक करेगा। इसके बाद 6 जनवरी 2025 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा।

अभी 21.15 लाख से ज्यादा मतदाता

भोपाल में अभी 21 लाख 15 हजार 959 मतदाता हैं। नाम जोड़ने के लिए 8300 से अधिक फॉर्म भरे गए हैं। साथ ही हटाने और संशोधन के लिए भी करीब 5 हजार फॉर्म भरे गए।

इनके नाम जोड़े जाएंगे

1 जनवरी 2025 को 18 साल की उम्र पूरी कर रहे युवाओं के नाम वोटिंग लिस्ट में जोड़े जाएंगे। जिनके नाम लिस्ट में नहीं है या फिर वे एक पते से दूसरे पते पर शिफ्ट हो गए हैं, उनके नाम भी लिस्ट में जुड़ सकेंगे। अगर इन्होंने नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म भरे हैं। बता दें कि इस काम के लिए 9, 10, 16 और 17 नवंबर को विशेष कैम्प भी लगे थे। बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) ने इन कैंपों में मौजूद रहकर नाम जोड़ने-घटाने का काम किया। दूसरी ओर, नाम हटाने के लिए भी फॉर्म आए हैं।

भोपाल में तेज रफ्तार बस ने बाइक को टक्कर मारी, दो युवकों की मौके पर मौत

भोपाल (नप्र)। शहर के एमपी नगर इलाके में शुक्रवार सुबह एक तेज रफ्तार बस ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतकों की शिनाख्त ओसामा खान और पुष्कर शाजापुरकर के रूप में हुई। दोनों भिंड के गौरी किनारा के रहने वाले थे।

उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां पर उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक बस के बंपर को तोड़कर उसके नीचे फंसकर रह गई। बाइक को बस करीब 50 मीटर तक घसीटते हुए ले गई थी। हादसे के बाद चालक बस से कूदकर फरार हो गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

एमपी नगर थाने के पास हुआ हादसा

एमपी नगर थाना पुलिस के मुताबिक बाइक पर सवार दो युवक थाने से चंद मीटर दूर डीबी मॉल की ओर आ रहे थे। तभी पीछे से तेज रफ्तार से आ रही पुष्प ट्रैवल्स की बस ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मारते हुए रौंद दिया। हादसे में दोनों युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतकों की फिलहाल पहचान नहीं हो सकी है।

हादसे के बाद मौके पर भीड़ इकट्ठी हो गई। इससे ट्रैफिक भी प्रभावित हुआ। पुलिस को बैरिकेडिंग कर एक तरफ की सड़क बंद करनी पड़ी।

मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों युवकों के शव बरामद कर उन्हें पोस्टमार्टम के लिए हमीदिया अस्पताल भेज दिया। इसके साथ ही पुलिस ने घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस मृतकों की पहचान करने में जुटी हुई है। पुलिस ने टक्कर मारने वाली बस के साथ-साथ बाइक को भी जब्त कर लिया है। फिलहाल पुलिस मामले की जाच में जुटी हुई है। जब यह हादसा हुआ, तब बस खाली थी। पुलिस के मुताबिक चालक की गिरफ्तारी के बाद ही यह साफ हो सकेगा कि बस कहां जा रही थी।

म.प्र.में नेशनल हाईवे पर सबसे ज्यादा अतिक्रमण

5 महीनों में 1866 अतिक्रमण हटाए, तमिलनाडु दूसरे नंबर पर

भोपाल (नप्र)। मप्र से गुजरने वाले नेशनल हाईवे सबसे ज्यादा अतिक्रमण की चपेट में हैं। नेशनल हाईवे पर अनाधिकृत कब्जों के कारण होने वाली घटनाओं को रोकने के लिए पिछले 5 महीनों में कब्जे हटाने की सबसे ज्यादा कार्रवाई एमपी में हुई हैं। लोकसभा में एक सवाल के जवाब में ये

जानकारी सामने आई है। भाजपा सांसद राजीव प्रताप रूढ़ी के सवाल के जवाब में केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर शहरी भवनों का निर्माण (रिबन विकास) अनाधिकृत पार्किंग और अतिक्रमण के मामले सामने आए हैं। इस संबंध में केन्द्र सरकार ने राज्य सरकार की मदद से नेशनल हाईवे पर अतिक्रमण चिह्नित कर उन्हें हटाने का प्रयास किया है।

राजमार्ग यात्रा एप से दे सकते हैं अतिक्रमण की सूचना- केन्द्रीय मंत्री नितिन गड़करी ने बताया कि नेशनल हाईवे पर अतिक्रमण को रोकने के लिए मोबाइल एप राजमार्ग यात्रा शुरू किया गया है। इसके जरिए आम नागरिक हाईवे पर होने वाले अतिक्रमण की जानकारी दे सकते हैं।

भगवान को सर्दी से बचाने के जतन

भोपाल में शीत लहर के चलते बाबा बटेश्वर के दरबार में जलाया अलाव

भोपाल (नप्र)। श्रीबड़वाले महादेव मंदिर सेवा समिति के द्वारा शुक्रवार को गुरु प्रदोष के अवसर पर बाबा बटेश्वर का रुद्राभिषेक कर अलौकिक श्रृंगार किया गया। वहीं भक्तों ने भगवान भोलेनाथ को सर्दी से बचाने के लिए उनके

समक्ष अलाव जलाया। मंदिर सेवा समिति के संजय अग्रवाल व प्रमोद नेमा ने बताया कि एक क्विंटल फूल, बेल पत्र, धतूरा व चंदन आदि से भोलेनाथ का विशेष श्रृंगार किया गया। इसके साथ ही भगवान को गुड़ से बनी गजक व अन्य गर्म वस्तुओं का भोग लगाया गया। इस अवसर पर संयोजक संजय अग्रवाल, सदस्य प्रमोद नेमा, शिशिर मित्तल, अभिषेक लाला, केशव फुलवानी, प्रकाश मालवीय सहित बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे।

रतलाम मेडिकल कॉलेज में की गयी सफल जागरूक क्लेविकल फ्रैक्चर सर्जरी

अत्याधुनिक चिकित्सा सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि रतलाम मेडिकल कॉलेज द्वारा जागरूक क्लेविकल फ्रैक्चर सर्जरी का सफलतापूर्वक संपादन प्रदेश के चिकित्सा क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह सर्जरी न केवल सरकारी अस्पतालों में अत्याधुनिक चिकित्सा सेवाओं के बढ़ते स्तर को दर्शाती है, बल्कि यह साबित करती है कि हमारे डॉक्टर्स और चिकित्सा कर्मियों की विशेषज्ञता किसी से कम नहीं है। उन्होंने इस उपलब्धि के चिकित्सकीय टीम को बधाई दी है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में चिकित्सा अधोसंरचना के सतत विकास और उत्कृष्ट एवं अत्याधुनिक सेवाओं के प्रदाय का कार्य सतत् चल रहा है।

उल्लेखनीय है कि डॉ. लक्ष्मीनारायण पांडेय शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, रतलाम में

पहली बार मेडिकल कॉलेज की ऑर्थोपेडिक और इंटरवेंशनल पेन फिजिशियन टीम ने जागरूक क्लेविकल फ्रैक्चर सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। यह सर्जरी विशेष है, क्योंकि मरीज सर्जरी के दौरान पूरी तरह जागरूक था और लगातार सर्जन और पेन फिजिशियन के साथ संवाद करता रहा। इस जटिल सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम देने वाली टीम में ऑर्थोपेडिक्स विभाग से डॉ. योगेश तिलकर (एसोसिएट प्रोफेसर) और डॉ. उत्सव शर्मा (असिस्टेंट प्रोफेसर) शामिल थे। एनेस्थीसिया, क्रिटिकल केयर और पेन मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. शैलेंद्र डावर के मार्गदर्शन में सर्जरी पूरी की गई। सर्जरी के दौरान इंटरस्केलिन ब्लॉक और सुपरफिशियल सर्वाइकल प्लेक्सस ब्लॉक का उपयोग किया गया, जिसे अल्ट्रासाउंड मशीन की सहायता से सटीकता के साथ लागू किया गया।

डीन प्रो. डॉ. अनीता मूथा ने बताया कि शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, रतलाम जल्द ही एडवांस पेन क्लीनिक की शुरुआत करेगा। इसमें क्रॉनिक कैंसर पेन, स्पॉन्डिलोसिस पेन, लो बैक पेन, फ्रोजन शोल्डर पेन, एल्बो और नी पेन, और हिप जॉइंट पेन जैसी जटिल समस्याओं का इलाज किया जाएगा।

फजर की नमाज के साथ शुरू हुआ आलमी तब्लीगी इज्तिमा

देर रात तक आती रहीं जमातें; पहली बार बाइक एम्बुलेंस सर्विस, 2 दिसंबर तक भोपाल में ट्रैफिक रहेगा डायवर्ट

भोपाल (नप्र)। आलमी तब्लीगी इज्तिमा की शुरुआत शुक्रवार सुबह फजर की नमाज के साथ हो गई। सुबह से ही देश के अलग-अलग हिस्सों से आए जानकारों ने तकरीर (उपदेश) की।

इज्तिमा का आयोजन भोपाल में 29 नवंबर से 2 दिसंबर तक होगा। इससे पहले गुरुवार रात तक देश के अलग-अलग हिस्सों से लोग इज्तिमा स्थल ईंटखेड़ी पहुंचे, जिसमें मुख्य रूप से राजस्थान, बिहार, हिमाचल, कश्मीर, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, केरल, तमिलनाडु के अलावा विदेशों से आईं जमातें भी शामिल हैं। 29 नवंबर से 2 दिसंबर तक इज्तिमा का आयोजन ईटखेड़ी के घासीपुरा में किया जा रहा है। इसमें देश के अलग-अलग हिस्सों से बड़ी संख्या में लोग भोपाल पहुंचेंगे। ये लोग रेलवे स्टेशन और पुराने शहर के विभिन्न क्षेत्रों से कार्यक्रम स्थल तक पहुंचेंगे। वहीं, 2 दिसंबर को दुआ की नमाज होगी, जिसके बाद पुराने भोपाल की कई सड़कों पर भारी ट्रैफिक की आशंका रहेगी। ऐसे में ट्रैफिक पुलिस ने शहर की सड़कों को डायवर्ट किया है। 29 नवंबर सुबह 7 बजे से सभी प्रकार के भारी वाहन, मालवाहक वाहन, रेत गिट्टी डंपर और मिक्सर का गोल जोड़ बैरसिया रोड से करौंद चौराहा तक आवागमन पूर्णतः बंद था।

इन रूट्स पर भारी ट्रैफिक की संभावना- पुराने भोपाल से इज्तिमा स्थल की ओर आवागमन करने वाले

मार्गों, जैसे - मुबारकपुर से पटेल नगर नया बायपास, गांधी नगर से अयोध्या नगर बायपास, रत्नागिरी, लाम्बाखेड़ा से करोंद, भोपाल टाकीज़, पीरगेट, मोती मस्जिद, रॉयल मार्केट, लालघाटी चौराहा, नादरा बस स्टैंड, भोपाल मुख्य रेलवे स्टेशन, अल्पना तिराहा, भारत टाकीज, बोगदा पुल आदि क्षेत्रों में भारी संख्या में जनसमुदाय और वाहनों की आवाजाही के कारण यातायात दबाव रहेगा।

स्टेशन और एयरपोर्ट के लिए यह रहेगा रूट- एयरपोर्ट की ओर जाने वाले वाहन भदभदा चौराहा, नीलबड़, रातीबड़, झागरिया रोड से खजूरी बायपास, मुबारकपुर बायपास होकर एयरपोर्ट जा सकेंगे।

भोपाल शहर से मुख्य रेलवे स्टेशन की ओर जाने वाले वाहन रोशनपुरा, लिंक रोड 2, बोर्ड ऑफिस, चेतक ब्रिज से प्रभात चौराहा, 80 फीट रोड होकर प्लेटफॉर्म-1 की तरफ आ सकेंगे।

भोपाल शहर में आने वाली यात्री बसों का डायवर्सन- सागर, छतरपुर, दमोह, रायसेन, होशंगाबाद, जबलपुर, छिंदवाड़ा और बैतूल की ओर से आने वाली बसें 11 मील, मिसरोद, आरआरएल तिराहा, हबीबगंज नाका, सांची दुग्ध संघ होते हुए आईएसबीटी की ओर आवाजाही करेंगी। आईएसबीटी से आगे यात्री बसों का नादरा बस स्टैंड की ओर प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।

इंदौर से भोपाल आने वाली बसें हलालपुर बस स्टैंड का उपयोग करेंगी। इंदौर और उज्जैन की ओर से आने वाली बसें खजूरी बायपास, बैरागढ़ से हलालपुर बस स्टैंड पर अपनी यात्रा समाप्त करेंगी। हलालपुर बस स्टैंड से आगे लालघाटी की ओर प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। गुना, राजगढ़ और ब्यावरा की ओर से आने वाली बसें श्यामपुर, परवलिया होते हुए मुबारकपुर बायपास से खजूरी रोड, बैरागढ़ होकर हलालपुर बस स्टैंड की ओर जा सकेंगी। विदिशा की ओर से आने वाली बसें सूखीसेवानिया, चोपड़ा बायपास से भानपुर रोटरी पर समाप्त होंगी। बैरसिया की ओर से आने वाली बसें गोलखेड़ी से तारासेवानिया, परवलिया रोड, मुबारकपुर बायपास, खजूरी बायपास से बैरागढ़ हलालपुर बस स्टैंड पर समाप्त होंगी।

1 दिसंबर को भारी एवं अन्य वाहनों के लिए डायवर्सन व्यवस्था- 1 दिसंबर रात 10 बजे से भोपाल के सीमावर्ती जिलों से शहर में सभी प्रकार के भारी मालवाहक वाहनों का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

इंदौर और सीहोर की ओर से आने वाले भारी मालवाहक वाहन भोपाल में प्रवेश नहीं कर सकेंगे। इन्हें सीहोर जिले की सीमा पर रोका जाएगा या डायवर्ट कर दिया जाएगा। गुना और राजगढ़ की ओर से आने वाले वाहनों को ब्यावरा पर रोककर श्यामपुर और सीहोर के रास्ते डायवर्ट किया जाएगा।

रायसेन, सलामतपुर और मंडीदीप से आने वाले भारी वाहनों को मंडीदीप और रायसेन सीमा पर रोका जाएगा।

इंदौर की ओर से आने वाले हल्के वाहन, जो होशंगाबाद जाना चाहते हैं, वे सीहोर से झागरिया, भदभदा, डिपो चौराहा, माता मंदिर, लिंक रोड नंबर-2, बीजेपी कार्यालय और मानसरोवर होते हुए मिसरोद रोड की ओर जा सकेंगे।

संपादकीय

इजराइल-हिज़्बु युद्ध विराम: किसकी जीत?

मध्यपूर्व के देश इजराइल और ईरान समर्थित प्रॉक्सी संगठन हिज्बुल्लाह के बीच दो माह का युद्धविराम समझौता न केवल युद्ध की आग में जल रहे मध्यपूर्व बल्कि समूची दुनिया के लिए तात्कालिक राहत तो है ही। खासकर भारत जैसे देशों के लिए, जिनके इजराइल और ईरान के साथ अच्छे रिश्ते रहे हैं। यह युद्ध अमेरिका के निर्वतमान राष्ट्रपति जो बाइडेन के लिए भी एक तमगा है, जिनकी पहल पर यह युद्धविराम हुआ और जिन्हें अमेरिका का बेहद कमजोर राष्ट्रपति माना जा रहा है। इन सबके बावजूद यह सवाल मौजूं है कि यह युद्धविराम पूरे समय तक टिकेगा या नहीं, इसे किस पक्ष की जीत माना जाए तथा यह समझौता दोनों पक्षों की मजबूरी है या फिर युद्ध के अगले चरण की तैयारी के लिए चाही गई मोहलत है? इन सवालों के उत्तर आगे मिलेंगे। लेकिन थोड़े समय के लिए ही सही मध्यपूर्व में बरस रहे बारूद में कमी आएगी। सबसे बड़ी राहत तो उन लेबनान वासियों के लिए है, जिनका देश हिज्बुल्लाह और इजराइल के युद्ध की आग में बुरी तरह झुलस रहा है। इस लड़ाई में बेवजह 3100 लेबनानी मारे गए हैं। देश की कुल आबादी का 5वां हिस्से को विस्थापित होना पड़ा है और इजराइली हमलों में दक्षिण लेबनान के कई शहर पूरी तरह तबाह हो गए हैं। दरअसल युद्धग्रस्त इन दोनों के बीच युद्धविराम की मध्यस्थता अमेरिका और फ्रांस ने की है। फ्रांस तो पहले से यह बात कहता आ रहा है, लेकिन इजराइल तैयार नहीं था। खास बात यह है कि इस समझौते की निगरानी संयुक्त राष्ट्र संघ करेगा। युद्ध विराम समझौते में 60 दिनों के लिए आपसी शत्रुता समाप्त करने की बात कही गई है। जिसके तहत हिजबुल्लाह को दक्षिणी लेबनान से 40 किमी अपनी सेना वापस बुलानी है और इजराइली सैनिक सीमा पार कर पीछे हट जाएंगे। अमेरिका के नेतृत्व में एक अंतरराष्ट्रीय समिति युद्ध विराम के पालन का निगरानी करेगी, जिसमें प्रावधान होगा कि अगर हिजबुल्लाह समझौते का उल्लंघन करता है तो इजराइल जवाब देगा। उल्लंघनों को संबोधित करने और युद्ध विराम की शर्तों का पालन सुनिश्चित करने के लिए यूएनआईएफआईएल, लेबनान और इजराइल को शामिल करते हुए एक त्रिपक्षीय तंत्र स्थापित किया जाएगा। माना जा रहा है कि पिछले सवा साल से पहले हमास और अब हिज्बुल्लाह से लड़ा रहा इजराइल भी काफी थक चुका है। लड़ाई में उसका भी काफी नुकसान हुआ है। बदले में उसे कुछ भी ठोस हासिल नहीं हुआ है। हमास अभी भी उसके बंधकों को छोड़ने को तैयार नहीं है। माना जा रहा है कि इस युद्ध विराम से क्षेत्र में तनाव कम होगा और दोनों पक्षों को फिर से तैयारी का मौका मिल जाएगा। इसे किसी की जीत मानना गलत होगा, यह परिस्थितिवश किया गया समझौता है। अगर अंतरराष्ट्रीय समुदाय खासकर अमेरिका और रूस ने रचनात्मक भूमिका नहीं निभाई तो मध्यपूर्व में युद्ध की चिंगारी पहले से भी ज्यादा भड़क सकती है। हालांकि इस युद्धविराम का इजराइल में कुछ लोग विरोध कर रहे हैं। उनकी मांग है कि उनकी सेना हिज्बुल्लाह को तगड़ा सबक सिखाए। लेकिन जमीनी हकीकत दूसरी है। यह बात इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की समझ में भी आ चुकी है। उधर हिज्बुल्लाह को भी इस युद्ध में भारी नुकसान उठाना पड़ा है। हालांकि ईरान और रूस उसे हथियारों की आपूर्ति जारी है, लेकिन बड़ी संख्या में उसके लड़ाके मारे जा चुके हैं और इजराइल ने उसका समूचा तंत्र ही ध्वस्त कर दिया है। उसे पटरी पर लाने के लिए भी हिज्बुल्लाह को मोहलत चाहिए। कुल मिलाकर यह युद्धविराम दुश्मनों के बीच दोस्ती की शुरूआत न होकर तनाव कम करने और युद्ध के अगले चरण के लिए खुद को लामबंद करने की कवायद ज्यादा है।

नजरिया

अरविन्द मोहन

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

छोटे रोजगारों को रौंदता ई-कामर्स

ई-कामर्स वाली कंपनियां तो हर व्यक्ति को बाजार में ला देने और हर किसी की जेब से ज्यादा-से-ज्यादा पैसे निकालने की तैयारी में रहती हैं। हम भी खरीदारी के मूड में होते हैं, तभी तो 'श्राद्ध पक्ष' में भी सोना-चांदी और कारों की बिक्री बढ़ती जा रही है। इसी कंपनी का अनुमान है कि 'अमेजन' और 'फ्लिपकार्ट' का हिसाब तो पिछले साल की तुलना में 26 फीसदी बढ़ा है। जाहिर है, उनकी तैयारी ज्यादा होगी और तत्परता भी, पर दूसरी आनलाइन बिक्री करने वाली कंपनियों का कारोबार भी सामान्य से बहुत ज्यादा तेजी का है। अर्थव्यवस्था के विकास या प्रति व्यक्ति आय और खर्च के आंकड़ों से यह तस्वीर इतनी गुलाबी नहीं दिखती।

बहुत चौंकाऊ आंकड़ों की बमबारी का ज्यादा मतलब नहीं होता, लेकिन कुछ आँकड़े ऐसी तस्वीर पेश करते हैं कि उनकी चर्चा और उनसे कुछ व्यापक निष्कर्ष निकाले बगैर रहना 'मूँदहिं आँख कतहु कछु नाहीं' को व्यवहार में उतारना ही होगा। एक नामी अंतरराष्ट्रीय बाजार अनुसंधान कंपनी के अनुसार बीते सितंबर और अक्टूबर महीनों में भारत में ई-कामर्स का आंकड़ा 12 अरब डालर अर्थात् सौ खरब रुपए से ऊपर पहुँच गया है और यह पिछले साल की इसी अवधि से 23 फीसदी ज्यादा है। बताना न होगा कि ये दो महीने त्यौहारों की खरीदारी वाले माने जाते हैं और बाजार का हर खिलाड़ी इन पर खास नजर रखता है।

ई-कामर्स वाली कंपनियां तो हर व्यक्ति को बाजार में ला देने और हर किसी की जेब से ज्यादा-से-ज्यादा पैसे निकालने की तैयारी में रहती हैं। हम भी खरीदारी के मूड में होते हैं, तभी तो 'श्राद्ध पक्ष' में भी सोना-चांदी और कारों की बिक्री बढ़ती जा रही है। इसी कंपनी का अनुमान है कि 'अमेजन' और 'फ्लिपकार्ट' का हिसाब तो पिछले साल की तुलना में 26 फीसदी बढ़ा है। जाहिर है, उनकी तैयारी ज्यादा होगी और तत्परता भी, पर दूसरी आनलाइन बिक्री करने वाली कंपनियों का कारोबार भी सामान्य से बहुत ज्यादा तेजी का है। अर्थव्यवस्था के विकास या प्रति व्यक्ति आय और खर्च के आंकड़ों से यह तस्वीर इतनी गुलाबी नहीं दिखती।

कायदे से तो इस फासले पर चर्चा होनी चाहिए, क्योंकि अर्थव्यवस्था में तेजी नहीं है, घरेलू बचत और कर्ज से लेकर महंगाई, बेरोजगारी जैसे हर हिसाब से आम आदमी ज्यादा परेशान लगता है, तो यह चमकदार तस्वीर कहां से निकलकर आ रही है। हम मान सकते हैं कि आनलाइन कंपनियों ने शहरों में और हर परिवार के जीवन में ज्यादा तेजी से घुसपैठ करने के बाद अब देहात के भी पैसे वालों और 'कार्ड' का प्रयोग करने वालों तक अपनी पहुँच बढ़ाई है। जाहिर है, वह रफ्तार काफी है। इसी अध्ययन का अनुमान है कि अकेले सितंबर में क्रेडिट कार्डों से 1,76,201 करोड़ रुपए का लेन-देन हुआ है और इसमें भी 1,15,168 करोड़ आनलाइन खरीद पर खर्च किए गए हैं। इस आँकड़े से यह भ्रम हो सकता है कि दो तिहाई लेन-देन का मतलब ई-कामर्स का दबदबा है-पर ऐसा है नहीं। स्टोर में जाकर कार्ड से खरीदी करने के मामले भले गिनती में कम हों, लेकिन ज्यादा रकम की चीज खरीदते समय लोग स्टोर/दूकान में जाकर सामान या सेवा को देख-परखकर खरीदना पसंद करते हैं और उनका 'वाल्यूम' ई-कामर्स से बड़ा है। मतलब यह हुआ कि ई-कामर्स काफी सारी वजहों से सुविधाजनक भले लगे, लेकिन पूरी तरह भरोसेमंद नहीं हुआ है।

अध्ययन में इस बात की तरफ इशारा भर किया गया है कि अर्थव्यवस्था के आम संकेतों और ई-कामर्स की तेजी के बीच के फ़ासलों की एक वजह खुदरा किराना कारोबार का गिरना है। हमें लगता है यह गिरना नहीं, नाश होते जाना है और वह दिन दूर नहीं जब किराना की दूकानें ही नहीं दूध, फल, सब्जी और चूड़ी-सिंदूर वगैरह के ठेले और दूकानदार इसी तरह नष्ट होते जाएंगे। कोविड के समय किराना का काफी धंधा चौपट हुआ था। संभव है कि ई-कामर्स के गुलाबी आंकड़ों में उसका भी योगदान होगा, लेकिन यह सरकार द्वारा लाई नई आर्थिक नीतियों और उससे भी बढ़कर नई तकनीक के पाँव पसारते जाने का भी प्रमाण है, जिसके रास्ते को सरकार सुगम बना रही है। ऐसा करने में सरकार का स्वार्थ बैठे-बैठाए टैक्स के रूप में भारी मलाई चाटने का है।

ई-कामर्स के बढ़ने की वजह देश में मौजूद साक्षर और ढेर सारी उपभोक्ता आकांक्षाओं से लैस बेरोजगारों की फौज भी है। तकनीक और अंग्रेजी से लैस यह जमात तो 'आईटी क्रांति' की बुनियाद पर मोटी कमाई के एक छोटे हिस्से को पाकर संतुष्ट है और भारतीय मानकों से उसकी कमाई भी काफी अधिक है। अलबत्ता, निम्न मध्यवर्ग और गरीब जमात के कम पढ़े या छोटा-मोटा काम करके गुजर करने वाले लड़के-लड़कियों के लिए ई-कामर्स के दफ्तर, गोदाम, माल डिलीवरी और सर्विसेज के काम ही रह गए हैं। अपना ठेला या छोटा कारोबार चलाना दिन-ब-दिन मुश्किल हो रहा है। ई-कामर्स के इन 'पैदल सैनिकों' का जीवन भी अध्ययन और दया का विषय है।

कहना न होगा कि यह काम भी सबके लिए नहीं है। शहरी और बेरोजगार लड़कों (जी हां, लड़कों की तुलना में लड़कियों को काफी कम काम मिलता है) के बल पर चलने वाला यह धंधा उनको किस तरह चूसता है यह अलग अध्ययन का विषय है। दस या बीस मिनट में गरम खाना पहुंचाने की शर्त पर डिलीवरी करने वाले लड़कों को शहर की पेचीदी और जानलेवा ट्रैफिक व्यवस्था किस तरह के संकट में डालती है, यह सोचकर दिल कांप जाता है। डिलीवरी में जरा सी देरी उनसे जुर्माना भरवा लेती है।

दूसरी ओर जोमाटो, ओला/उबर जैसी कंपनियां बैठे-बैठाए कुल बिल का तीस फीसदी तक गटक जाती हैं, पर इस धंधे में किराना दुकान बंद होने या धंधा कम होने से आमदनी घटने वाली जमात के लोगों को इंट्री नहीं देतीं। वे खेती में बोझ बने बैठे असंख्य लोगों की तरह पुराने धंधे से चिपके रहने और दिन-ब-दिन ज्यादा मुश्किल उठाने के किए अभिशप्त हैं। हर शहर, हर मुहल्ले में लोगों ने उत्साह में दूकानें खोल लीं, लेकिन अब उनका शटर बंद दिखता है।

इस सबमें सरकार का खजाना भी तेजी से बढ़ रहा है। वह अगर ई-कामर्स बढ़ाने की रणनीति लाती है तो सिर्फ बड़ी कंपनियों का लाभ ही नहीं हुआ है, सरकार भी मालामाल हो गई है। हर साल 'प्रत्यक्ष कर' बजट अनुमान को पीछे छोड़ता है। 'जीएसटी' से इतना पैसा आ रहा है कि सरकार अब आँकड़े छुपाने में जुटी है - पहले 'जीएसटी' पर सवाल उठ रहे थे तो रोज आँकड़े बताती थी। सरकार 'पीएफ' के आँकड़े बताकर रोजगार बढ़ने का दावा करती है, क्योंकि इलेक्ट्रॉनिक रिकार्ड में आ गई हर कंपनी के लिए 'पीएफ' ही नहीं बिक्री-उत्पादन, निर्यात, आयात और सर्विसेज का रिकार्ड तथा सरकारी खैरात का रिकार्ड रखना आसान हो गया है।

मोदी सरकार के लिए तो कलाकारी का एक और रास्ता खुल गया है। नोटबंदी की असफलता को उसने करदाताओं की संख्या, इलेक्ट्रॉनिक ट्रांजेक्शन में वृद्धि, कालाधन कम होने, आतंकवादियों की फंडिंग में कमी होने, नकली नोट का चलन घटने के दावे से लेकर न जाने कितने तरफ से सफल बताने का प्रयास किया था, लेकिन सच्चाई यही है कि इन सबका लाभ बड़ी कंपनियों और सरकार को हुआ है, किसानों, छोटे लोगों, छोटे उद्यमियों और आम उपभोक्ताओं के लिए इससे दिन-ब-दिन परेशानियां बढ़ती गई हैं। मुश्किल यह है कि उनकी सुनवाई के मंच खत्म होते जा रहे हैं। (सप्रेस)

पर्यावरण

निर्मल रानी

लेखक स्तंभकार हैं।

ला ईलाज हो चुका 'स्मॉग प्रदूषण'

उत्तर भारत का एक बड़ा क्षेत्र इन दिनों 'स्मॉग' यानी ज़हरीले धुयें युक्त कोहरे जिसे धूम कोहरा भी कहा जाता है, की चपेट में है। यह कोई पहला अवसर नहीं है जबकि 'स्मॉग' यानी ज़हरीले धुयें की ख़बरें मीडिया में सुर्ख़ियां बटोर रही हों। बल्कि लगभग दो दशक से यह स्थित प्रत्येक वर्ष पैदा हो रही है। हाँ इतना ज़रूर है कि प्रदूषण दिन प्रतिदिन और भी न केवल बढ़ता जा रहा है बल्कि और भी ज़हरीला भी होता जा रहा है। इसका घोर प्रदूषण युक्त वातावरण का ख़ामियाज़ा हमें तरह तरह से भुगतना पड़ रहा है। कहीं विमानों की उड़ानें प्रभावित हो रही हैं तो कहीं ट्रेंस परिचालन में बाधा आने के चलते रेल गाड़ियां लेट हो रही हैं। गत दिनों ख़राब मौसम के कारण ही दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर 15 विमानों का मार्ग बदला गया जबकि 100 से अधिक उड़ानों में देरी हुई। सड़कों पर दुर्घटनाओं में इज़ाफ़ा होने लगा है। स्वास्थ्य कारणों से बच्चों के स्कूल बंद कर दिए जाते हैं तो अस्पतालों में सांस और दमा के मरीज़ों की संख्या बढ़ जाती है। यहाँ तक कि एक स्वस्थ व्यक्ति भी ऐसे वातावरण में सांस लेने में दिक्क़त महसूस करने लगता है। लोगों को खुजली हो रही है और आंखों में जलन व आँखों से पानी आने की शिकायतें आ रही हैं। मास्क लगाना या न लगाना दोनों ही स्थिति में लोगों को सांस लेने में परेशानी हो रही है। पड़ोसी देश पाकिस्तान में भी बढ़ते प्रदूषण की वजह से हालात गंभीर बने हुए हैं। पिछले दिनों पाकिस्तान के लाहौर में स्मॉग यानी ज़हरीले धुएं की इतनी मोटी चादर बिछ गई जो अंतरिक्ष से भी दिखाई देने लगी। अब ख़बर तो यहां तक है कि स्मॉग यानी ज़हरीले धुएं से पैदा होने वाले इस प्रदूषण को कम करने के लिए वहां लॉकडाउन लगाने तक की योजना बन रही है।

सवाल यह है कि गत लगभग 2 दशक से निरंतर प्रदूषित होते जा रहे इस ज़हरीले धुएं युक्त वातावरण और अनेक माध्यमों से इनसे होने वाले आर्थिक नुक़्सान व स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं के लिये ज़िम्मेदार कौन है। सर्दियों की शुरुआत में हमेशा टी वी व अख़बारों में यह सुर्ख़ियां बनती हैं कि प्रदूषण का स्तर क्या है। विशेषज्ञों के अनुसार स्वच्छ हवा वाले वातावरण के लिये 50 तक AQI होना चाहिये। 50 से कम AQI (एयर क्वालिटी इंडेक्स) स्वास्थ्य के लिये ठीक रहता है। जबकि दिल्ली राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) से लेकर केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ तक का एयर क्वालिटी इंडेक्स पिछले दिनों 500 के क़रीब पहुँच गया। सरकार से लेकर जनता तक इस अति प्रदूषित वातावरण से निजात पाने के लिये केवल प्रकृति के भरोसे बैठी हुई है कि या तो बारिश हो तो इस ज़हरीली हवा से निजात मिले या फिर तेज़ हवा इस वातावरण से निजात दिलाये। जबकि प्रदूषण से त्राहि-त्राहि करती यही जनता या जनता द्वारा चुनी उसकी सरकार इस समस्या से निपटने का कोई भी कारगर उपाय ढूंढ नहीं पाती।

कभी स्कूल्स में छुट्टी कर,कभी निर्माण कार्य रूकवाकर तो कभी सम-विषम नंबर के अनुसार वाहन चलने का निर्देश देकर ऐसी समस्याओं से निजात के उपाय तलाशे जाते हैं। जबकि प्रदूषण फैलाने के ज़िम्मेदार वाहनों की संख्या प्रतिदिन लाखों की तादाद में बढ़ती जा रही है। उद्योगों से प्रदूषित धुआं निरंतर निकलता रहता है। पूरे देश की सड़कें धुल मिटटी से पटी पड़ी हैं। खेतों में फ़सलों के अवशेष बेरोकटोक जलाये जा रहे हैं। जगह जगह आम लोग कूड़े के ढेर में बेख़ौफ़ होकर आग लगाते हैं जिनमें रबड़, पॉलीथिन, प्लास्टिक आदि सब कुछ जलाया जाता है। इसी तरह आतिशबाज़ी चलाने के लिये चाहे अदालतें मना करें या सरकारें, कोई भी मानने को तैयार नहीं। बल्कि हर साल आतिशबाज़ी का चलन व इनकी खपत बढ़ती ही जा रही है। यदि आप दीपावली पर आतिशबाज़ी चलाने को लेकर 'ज्ञान' देने लगे तो समझो आप को सनातन विरोधी होने का प्रमाण पत्र तो उसी क्षण मिल जायेगा। गुरपूरव पर होने वाली आतिशबाज़ी पर सवाल उठाया तो दीपावली का सवाल खड़ा होगा। इसी तरह शब् बरात हो या नया साल,रोज़ होने वाले शादी ब्याह कोई भी आयोजन आतिशबाज़ी से अछूता नहीं है। और ज़ाहिर है ऐसी आतिशबाज़ीयों का एक ही परिणाम है, ज़हरीला धुआं,जान लेवा प्रदूषण,स्मॉग यानी ज़हरीले धुयें युक्त कोहरे की चादर और अंततः बदलता मौसम व ग्लोबल वार्मिंग।

जिस तरह बारिश के दिनों में शहरों में समुचित जल निकासी का प्रबंध न होने के चलते शहरों व क़स्बों में बाढ़ जैसी स्थिति बन जाती है और इससे संबंधित ख़बरें लेख व परिचर्चाएं वर्षा ऋतु के दौरान पढ़ने सुनने को मिलती हैं। परन्तु बारिश ख़त्म होते ही जनता व सरकार सभी हाथ पर हाथ रखकर बैठ जाते हैं और अगले साल की बारिश व इससे होने वाली तबाही की प्रतीक्षा करने लगते हैं। ठीक उसी तरह हर साल दीपावली के बाद और सर्दियों के आग़ाज़ में हर वर्ष यही प्रदूषण व ज़हरीले धुएं की चर्चा सुर्ख़ियों में आ जाती है। इस विषय को लेकर हमारे समाज की जागरूकता व समझ का अंदाज़ा इसी बात से लगाया जा सकता है कि न तो कोई अतिशबाज़ियों से परहेज़ के लिए तैयार है न ही यह मानने के लिये तैयार है कि पराली या खेतों में फ़सलों के अवशेष जलने से प्रदूषण फैलता है। धनाढ्य या नव धनाढ्य लोग मात्र एक सवारी के साथ सड़कों पर कारें दौड़ाते फिरते हैं। सड़कों पर बे रोकटोक धुंआ करना तो गोया लोगों के मौलिक अधिकारों में शामिल हो गया है। यहाँ तक कि रोज़ाना कई जगह खुद नगर पालिका के कर्मचारी झाड़ू देने के बाद जगह जगह इकठ्ठा किये गये कूड़े के ढेर में अपने ही हाथों से माचिस लगा देते हैं। गोया पढ़ा लिखा हो या अनपढ़,ग़रीब हो या अमीर,वैश्विक स्तर पर प्रदूषण बढ़ने के लिये सभी ज़िम्मेदार हैं। इसलिये भले ही सतही उपाय कितने ही क्यों न कर लिये जाएँ परन्तु हक़ीक़त तो यही है कि 'स्मॉग प्रदूषण' अब एक लाईलाज संकट बन चुका है।

हिन्दू-मुस्लिम धर्म की मिलन-भूमि

अजमेर शरीफ

डॉ.मुरलीधर चाँदनीवाला

लेखक स्तंभकार हैं।

पिछले कुछ दशकों से हमें अपने अतीत की पड़ताल करते रहने की आदत सी पड़ गई है। ऐतिहासिक साक्ष्य मिलते नहीं, जो थोड़े-बहुत दस्तावेज मिलते हैं, वे तथ्य को प्रमाणित करने में बहुत अधिक सहायता करने में प्रायः असमर्थ दिखाई देते हैं। ऐसे में विवाद और बहस की कठोर शृंखला बनकर खड़ी हो जाती है, और हम सब के विचारों को जकड़ लेती है। अयोध्या की बाबरी मस्जिद ढहाने के बाद राम-जन्मभूमि को लेकर लम्बी लड़ाई लड़ी गई। जो जीत मिली, वह ऐतिहासिक प्रमाणों को दरकिनार करते हुए श्रद्धा और विश्वास की जीत सिद्ध हुई। उसने हौंसला बढ़ाने में मदद की। कृष्ण जन्मभूमि को लेकर वाद-प्रतिवाद लगातार चल रहे हैं। इस बीच छोटी-छोटी कई किंवदन्तियाँ जिन्दा की गईं। कुतुब मीनार है या विष्णुस्तम्भ? ताजमहल है या तेजो महालय? ज्ञानवापी का तो फैसला भी आ गया। भोजशाला का लम्बा सर्वे हो चुका, और फैसले का इंतजार है। अब एक नई किताब खुली है, जो बताती है कि ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह अजमेर शरीफ अपने मूल स्वरूप में शिव का मंदिर है।

किसी को आश्चर्य नहीं होता, कि जब मंदिरों को तोड़-तोड़कर मस्जिदें बनाई गई होंगी, तब जिन्हें कवच बनकर खड़े होना था, वे आखिर कहाँ चले गये थे। भोजशाला तीन सौ बरस तक उपेक्षित ही नहीं पड़ी रही, वहाँ गाय-ढोर बँधते रहे। धार में पवाँर स्टेट का खासा वर्चस्व था, लेकिन उसने भोजशाला के उद्धार के लिये एक धेला भी खर्च नहीं किया। ब्रिटिश गवर्नमेंट भोजशाला का मूल्य जानती थी, और वाग्देवी की प्रतिमा का भी, जो बहुत सम्मान के साथ ब्रिटिश म्यूजियम में रखी हुई है। वह प्रतिमा लम्बे समय तक भोजशाला परिसर में उपेक्षित पड़ी रही, सनातन धर्मावलम्बियों का ध्यान उस तरफ तब क्यों नहीं गया, जब जाना चाहिए था।

अजमेर शरीफ मुसलमानों की ही नहीं, हिन्दुओं की भी आस्था का केन्द्र है। पूरे भारत में ऐसी एक-दो नहीं, अनेक जगहें हैं, जहाँ हिन्दू-मुस्लिम एक साथ पूजा के भाव में दिखाई देते हैं। सूफी संतों के अध्यात्म का साम्राज्य तो मंदिर-मस्जिद से बहुत ऊपर का है। यह बात कौन नहीं जानता? सूफियों ने हिन्दू-मुस्लिम एकता को धर्म की तरह प्रचारित किया। उनका बहुत ही अच्छा और सकारात्मक प्रभाव भक्तिकाल पर भी पड़ा। सिक्खों के धर्मग्रंथ गुरु ग्रंथ साहिब में सूर, तुलसी, रैदास के साथ सूफी संतों के भी पद मिलते हैं। एक सूफी संत के पीठ को टेढ़ी नजर से देखना भारत की अस्मिता के लिये लाभप्रद नहीं है, यह सबको समझना होगा।

कभी-कभी इतिहास एक कब्रिस्तान की तरह हो जाता है। वहाँ के गड़े हुए मुर्दे उखाड़ना फायदेमंद नहीं। अजमेर शरीफ की प्रतिष्ठा ताजमहल और कुतुब मीनार से बहुत ऊँची है। वहाँ लोग मन्नत लेकर शीश झुकाते हुए आते हैं। आज की तारीख में वह एक तीर्थस्थल है। वह एक पीठ है, जिसकी पवित्रता पर संदेह करना ही मूर्खता है। उसे सामान्य दरगाह की तरह देखेंगे, तो धोखा खा जायेंगे। हो सकता है, वहाँ कभी संकटमोचक महादेव का मंदिर रहा हो। हो सकता है, वहाँ कभी पूजन-अर्चना होती रही हो। हो सकता है, वहाँ वे सब चिह्न मिल जायें, जो उसे प्राचीन मंदिर सिद्ध कर दे। लेकिन अब वहाँ हिन्दू और मुसलमानों की आस्थाएँ आलिंगनबद्ध हैं, तो हम उन्हें अलग करने वाले होते कौन हैं?

सब जगह तर्क-युद्ध से अच्छे परिणाम नहीं मिलते। न्याय के मंदिरों में भले ही सत्य का डंका बजता हो, लेकिन जरूरी नहीं कि वह सत्य मनुष्यता की पीठ सहलाने वाला भी हो। सब कुछ एक साथ बदल देने की धुन में बहुत सारी गलतियाँ दोहराई जाने की सम्भावना बनी रहती है। इतिहास से मदद लेने से पहले हमें उन पहलुओं पर जाना चाहिए, जो राष्ट्रीय प्रगति के लिये महत्व के हैं।

इतिहास बर्क की परतों जैसा कुछ होता है। परतें हटाई जा सकती हैं, लेकिन उन परतों ने हमारे मानस में जो रच दिया है, उसे हटाया नहीं जा सकता है। इसलिये जो है और जैसा है, उसे वैसा ही स्वीकार करना होगा। इसमें न तो किसी की हार है,न किसी की जीत। अजमेर शरीफ एक ऐसी जगह है, जिस पर न अकेले मुसलमान अपना दावा कर सकते हैं, न अकेले हिन्दू। वहाँ मनुष्यतावाद, आपसी प्रेम और सौहार्द के साथ सहिष्णुता के मंत्र गूँजते हैं। कोई भी कदम उठाने से पहले हमें उन मंत्रों को कान लगा कर सुनना होगा। अजमेर शरीफ हिन्दू और मुस्लिम धर्म की मिलन-भूमि है। वह एकता और अखंडता का संदेश देने वाला ऐसा स्मारक भी है, जिसके शिल्पकार भले ही सूफी संत रहे हों, लेकिन उसकी भीत पर हम सभीके दस्तखत हैं।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

हास्य-व्यंग्य

चेतनादित्य आलोक

वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार एवं राजनीतिक विश्लेषक, रांची, झारखंड

पल्टीबाजी बने राष्ट्रीय खेल

वैसे तो हमारा देश खेलों में अब खूब तरक्की करने लगा है। लोकल से लेकर नेशनल और इंटरनेशनल स्तर के प्रतिस्पर्द्धाओं में भी हमारे खिलाड़ी अपने कौशल का रंग जमाने लगे हैं। हालांकि दुःख की बात भी है कि अब तक हम किसी भी खेल में नंबर वन नहीं बन पाए हैं, लेकिन ऐसा लगता है कि अब हमारे दुःख के दिन समाप्त होने वाले हैं, क्योंकि जितनी तेजी से हमारा देश 'पल्टीबाजी' के खेल में नित्य नई ऊंचाइयां हासिल करता जा रहा है, उसे देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि अब वह दिन दूर नहीं, जब हम कम-से-कम इस खेल में दुनिया में नंबर वन होंगे। इस खेल को लेकर मेरा विश्वास इसलिए इतना पुख्ता है, क्योंकि दूसरा कोई हमारा यह खेल खेलता ही नहीं... और खेलेगा कैसे हम खेलने देंगे तब न। हम अंग्रेज थोड़े न हैं कि अपना खेल सबको खेलाते चलेंगे। हम तो भारतीय हैं... हम अपने खेलों को दूसरों के साथ शेयर ही नहीं करते या कहें कि दूसरे हमारे खेलों को स्वीकार ही नहीं करते। चाहे कुछ भी कह लें, मतलब एक ही है। इसलिए बस, हमारे इस खेल पल्टीबाजी को मान्यता मिलने भर की देर है। उसके बाद तो हम भी सिर ऊंचा करके गर्व से कह सकेंगे कि हमारा खेल दुनिया में नंबर वन हो गया है।

देश में पल्टीबाजी के विकास की बात करें तो बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, पंजाब, आंध्र प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, मणिपुर, गोआ और राजस्थान अब तक इसे अपना राज्य खेल घोषित कर चुके हैं। इन राज्यों के खिलाड़ी पल्टीबाजी में चैंपियन भी रहे हैं, लेकिन बंगाल, ओड़िशा, गुजरात और हरियाणा जैसे बड़े राज्यों में पल्टीबाजी को प्रश्रय नहीं मिलने से 'राष्ट्रीय पल्टीबाजी विकास और नियंत्रण बोर्ड' उन राज्यों के माता-पिताओं और सरकारों से बेहद नाराज है, जिनके सहयोग के बिना उन राज्यों में इस खेल को बढ़ावा नहीं मिल पा रहा है। दरअसल, बोर्ड चाहता है कि उन राज्यों की सरकारें भी पल्टीबाजी को राज्य खेल घोषित करें और लोगों को इसे खलने के लिए प्ररित करें, लेकिन यह बात मुझे कतई अच्छी नहीं लगती कि समान नागरिक संहिता की तरह अलग-अलग राज्य अपना-अपना हानि-लाभ देख-भालकर पल्टीबाजी को राज्य खेल के रूप में स्वीकार अथवा अस्वीकार कर रहे हैं। मेरा तो मानना है कि केंद्र सरकार संसद के शीतकालीन सत्र में एक प्रस्ताव लाए और संसद के दोनों सदनों में इसे पारित कराकर पल्टीबाजी को राष्ट्रीय खेल धोषित कर दे।

वैसे गोपनीय सूत्रों से मिली खबर के अनुसार केंद्र सरकार में शामिल सहयोगी दलों ने भी सरकार से साफ-साफ कह दिया है कि उसके साथ वे तभी बने रहेंगे, जब वह पल्टीबाजी को भारत का राष्ट्रीय खेल घोषित करेगी। बहरहाल, इस समय की ब्रेकिंग न्यूज यह है कि महज कुछ वर्ष पूर्व ही पल्टीबाजी को अपनाने वाला राज्य महाराष्ट्र इस खेल में इतनी तेजी से उभर रहा है कि शीघ्र ही पूर्व चैंपियनों को पछाड़कर उसके पहले पायंदान पर पहुंचने की संभावनाएं जताई जाने लगी हैं।

(इतिश्री)

दृष्टिकोण

प्रियंका सौरभ

लेखक स्तंभकार हैं।

युवा भारतीय महिलाओं की उभरती आकांक्षाएं

पिछले एक दशक में युवा भारतीय महिलाओं की आकांक्षाओं में एक परिवर्तनकारी बदलाव देखा गया है, जो उनकी बढ़ती स्वायत्तता, शिक्षा और कार्यबल में भागीदारी को दर्शाता है। यह विकास भारत के सामाजिक परिदृश्य को महत्वपूर्ण रूप से पुनर्परिभाषित कर रहा है।

उच्च शिक्षा और कौशल विकास में लड़कियों की अब लड़कों के बराबर शैक्षिक उपलब्धि है, जिसमें 50 प्रतिशत से अधिक युवा महिलाएँ कक्षा 12 पूरी कर रही हैं और 26 प्रतिशत कॉलेज की डिग्री प्राप्त कर रही हैं। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (2017-18) उच्च शिक्षा में महिलाओं के बढ़ते नामांकन पर प्रकाश डालता है, जिसमें महिला सकल नामांकन अनुपात 27.3 प्रतिशत तक पहुँच गया है। युवा महिलाएँ विभिन्न कैरियर पथों और डिजिटल कौशल प्लेटफॉर्म तक पहुँच से प्रभावित होकर पेशेवर महत्त्वाकांक्षाओं को तेज़ी से प्राथमिकता दे रही हैं। स्किल इंडिया मिशन और स्टेम फ़ॉर गर्ल्स इंडिया जैसे कार्यक्रमों ने तकनीकी क्षेत्रों में युवा महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा दिया है।

विवाह की औसत आयु 2005 में 18.3 वर्ष से बढ़कर 2021 में 22 वर्ष हो गई है, जिसमें अधिक युवा महिलाएँ अनुकूलता के आधार पर साथी चुनती हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार 52 प्रतिशत महिलाओं ने साथी चयन में अपनी बात रखी, जो 2012 में 42 प्रतिशत थी। कई युवा महिलाएँ आर्थिक स्वतंत्रता के लिए प्रयास कर रही हैं, विशेष रूप से उद्यमिता के माध्यम से, क्योंकि सरकार महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप के लिए समर्थन दे रही है। उदाहरण के लिए- नीति आयोग द्वारा महिला उद्यमिता मंच ने 10, 000 से अधिक महिला उद्यमियों के नेटवर्क को बढ़ावा दिया है। युवा महिलाएँ स्वयं सहायता समूहों और स्थानीय शासन में बढ़ती भागीदारी के साथ राजनीतिक रूप से अधिक सक्रिय हैं। ग्रामीण महिलाओं के बीच स्वयं सहायता समूह सदस्यता 2012 में 10 प्रतिशत से बढ़कर 2022 में 18 प्रतिशत हो गई। ये आकांक्षाएँ पारंपरिक सामाजिक संरचनाओं और मानदंडों को चुनौती दे रही हैं। जैसे-जैसे अधिक महिलाएँ करियर बना रही हैं, घरों में पारंपरिक लैंगिक अपेक्षाएँ बदल रही हैं। मनरेगा पुरुषों और महिलाओं के लिए समान वेतन प्रदान करता है, जो ग्रामीण घरेलू गतिशीलता को प्रभावित करता है। अधिक शिक्षा और आय के साथ, युवा महिलाओं का अब परिवार के वित्तीय और सामाजिक निर्णयों में अधिक प्रभाव है। स्वयं सहायता समूहों ने ग्रामीण महिलाओं को सामूहिक रूप से घरेलू वित्त का प्रबंधन करने के लिए सशक्त बनाया है। बाद में विवाह करने और साथी चुनने में सक्रिय भागीदारी की ओर बदलाव ने अरेंज मैरिज की पारंपरिक संरचना को चुनौती दी है। बाल विवाह में कमी और बाद में विवाह करने को प्राथमिकता देने की रिपोर्ट करता है। बढ़ती स्वतंत्रता ने सामाजिक प्रतिबंधों को चुनौती देते हुए शिक्षा या काम के लिए महिलाओं की अकेले यात्रा को सामान्य बना दिया है। 2012 में 42 प्रतिशत की तुलना में अब 54 प्रतिशत महिलाएँ बस या ट्रेन से अकेले यात्रा करने में सहज महसूस करती हैं। युवा महिलाएँ पेशेवर सेटिंग्स में लैंगिक समानता के बारे में तेज़ी से मुखर हो रही हैं, कानूनी और सामाजिक सुधारों को बढ़ावा दे रही हैं। पोष अधिनियम (कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम) , 2013 ने महिलाओं को कार्यस्थल के मुद्दों को प्रभावी ढंग से सम्बोधित करने के लिए सशक्त बनाया है। स्वयं सहायता समूह और ग्राम सभाओं में युवा महिलाएँ शासन में महिलाओं की भूमिका पर पारंपरिक विचारों को चुनौती दे रही हैं। केरल कुदुम्बश्री मिशन महिला-नेतृत्व वाले शासन को बढ़ावा देता है, जिसने राज्यों में इसी तरह के मॉडल को प्रेरित किया है।

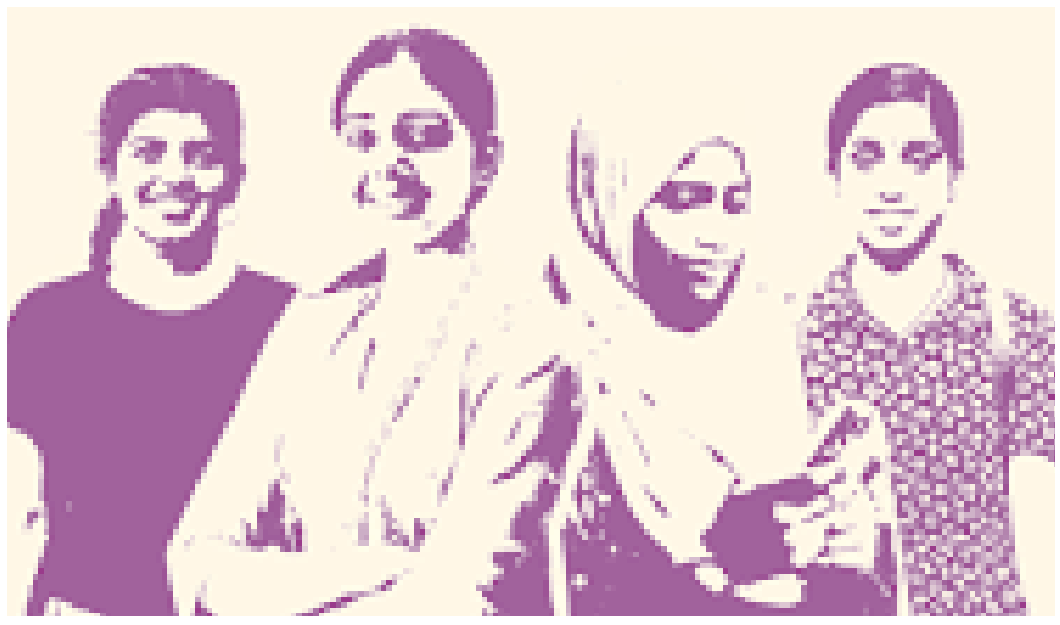

भारतीय महिलाएँ ऊर्जा से लबरेज, दूरदर्शिता, जीवन्त उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ सभी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हैं। भारत के प्रथम नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर के शब्दों में, हमारे लिए महिलाएँ न केवल घर की रोशनी हैं, बल्कि इस रौशनी की लौ भी हैं। अनादि काल से ही महिलाएँ मानवता की प्रेरणा का स्रोत रही हैं। झांसी की रानी लक्ष्मीबाई से लेकर भारत की पहली महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले तक, महिलाओं ने बड़े पैमाने पर समाज में बदलाव के बड़े उदाहरण स्थापित किए हैं।

2030 तक पृथ्वी को मानवता के लिए स्वर्ग समान जगह बनाने के लिए भारत सतत विकास लक्ष्यों की ओर तेजी से बढ़ चला है। लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण करना सतत विकास लक्ष्यों में एक प्रमुखता है। वर्तमान में प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण, समावेशी आर्थिक और सामाजिक विकास जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विशेष ध्यान दिया गया है।

महिलाओं में जन्मजात नेतृत्व गुण समाज के लिए संपत्ति हैं। प्रसिद्ध अमेरिकी धार्मिक नेता ब्रिघम यंग ने ठीक ही कहा है कि जब आप एक आदमी को शिक्षित करते हैं, तो आप एक आदमी को शिक्षित करते हैं। जब आप एक महिला को शिक्षित करते हैं तो आप एक पीढ़ी को शिक्षित करते हैं।

स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के माध्यम से महिलाएँ न केवल खुद को सशक्त बना रही हैं बल्कि हमारी अर्थव्यवस्था की मजबुती में को भी योगदान दे रही है। सरकार के निरन्तर लगातार आर्थिक सहयोग से आत्मनिर्भर भारत के संकल्प में उनकी भागीदारी दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। पिछले 6-7 वर्षों में महिला स्वयं सहायता समूहों का अभियान और तेज हुआ है। आज देश भर में 70 लाख स्वयं सहायता समूह हैं। महिलाओं के पराक्रम को समझने की ज़रूरत है, जो हमें महिमा की अधिक ऊंचाइयों तक पहुँचाएगी। आइए हम उन्हें आगे बढ़ने और फलने-फूलने में मदद करें। महिलाओं के सर्वांगीण सशक्तिकरण के लिए 'अमृत काल' इन्हें समर्पित हो।

युवा भारतीय महिलाओं की उभरती आकांक्षाएँ भारत के सामाजिक ताने-बाने को उत्तरोत्तर रूप से परिभाषित कर रही हैं, एक ऐसे समाज को बढ़ावा दे रही हैं जहाँ लैंगिक समानता और महिलाओं की एजेंसी आदर्श बन गई है। सहायक नीतियों को सुनिश्चित करने से इस बदलाव में तेज़ी आ सकती है, जिससे समावेशी और सशक्त भविष्य का मार्ग प्रशस्त हो सकता है।

साहित्य

सुरेश सौरभ

लेखक साहित्यकार हैं।

चर्चा के केंद्र में रहने वाले लघुकथा विशेषांक

वर्तमान समय में लघुकथा सबसे लोकप्रिय विधा के रूप में स्थापित हो चुकी है। कम समय में, कम शब्दों में, दूर तक, देर तक किसी प्रबल बात को अथवा चिंतन चेतना को पाठकों के मन मस्तिष्क तक प्रेषित करना ही लघुकथा का प्रमुख लक्ष्य माना गया है। आज लघुकथाएँ प्रायः सभी पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हो रही हैं। कुछ पत्रिकाओं के लघुकथा विषेशांक भी खूब चर्चित हो रहे हैं। योगराज प्रभाकर एक प्रसिद्ध गजलकार और लघुकथाकार हैं। पटियाला से प्रकाशित 'लघुकथा कलश' का तेरहवाँ लघुकथा विशेषांक इन दिनों व्यापक चर्चा में है। संपादन एक कला है यह हरेक के बस की यह बात नहीं, जो संपादन करता है, उसे ही संपादन का दर्द, उसका मर्म पता होता है। योगराज प्रभाकर जी लघुकथा कलश की संपादकीय में लिखते हैं. यथा...अब मैं कुछ बातें अपने सुधि रचनाकारों से करना चाहूँगा। आपसे करबद्ध निवेदन है कि अपनी रचनाएँ प्रेषित करने से पूर्व उनकी वर्तनी और व्याकरण को ध्यानपूर्वक जाँचने की आदत डालें। सही विराम एवं उद्धरण चिह्नों का प्रयोग करें। अपने पास दो-तीन हिंदी के शब्दकोश अवश्य रखें। मध्य भारत के एक सुप्रसिद्ध छंदकार जो कि एक प्राध्यापक हैं, एक बार उन्होंने मुझे बताया कि वे उनकी मेज पर हर समय प्रथम से छठी श्रेणी की हिंदी पुस्तकें मौजूद रहती हैं ताकि हिज्जे की त्रुटियों से बचने के लिए उनकी सहायता ली जा सके। लेकिन मुझे बहुत ही दुख से कहना पड़ रहा है कि अपने नाम के साथ सगर्व 'डॉक्टर', 'प्रोफेसर' अथवा 'संपादक' लिखने वाले बहुत से रचनाकार वर्तनी और व्याकरण की शुद्धता में फिसड्डी पाए गए हैं। बहुत से उम्रदराज रचनाकार 'पुल्लिंग' व 'स्त्रीलिंग' के भेद में उलझे पाए गए हैं। यह एक चिंता का विषय है। यूँ तो संपादक के दायित्वों की परिधि में बहुत सी बातें सम्मिलित हैं, फिर भी संपादक को एकदम 'वेहला' न समझें कि वह आपकी भाषाई त्रुटियाँ सुधारता रहेगा। मुझे बहुत सी ऐसी भी रचनाएँ प्राप्त होती हैं, जहाँ मना करने के बावजूद 'इमोजी' धड़ल्ले से प्रयोग किए जाते हैं। पूर्णविराम (।) के स्थान पर 'फुल स्टॉप' (.) का प्रयोग किया जाता है। शब्द से पहले अथवा बाद में उद्धरण एवं विराम चिह्नों का प्रयोग करते हुए स्थान रिक्त छोड़ दिया जाता है। अब क्या इसकी शिक्षा भी संपादक को ही देनी होगी कि इन चिह्नों का उपयोग बिना रिक्त स्थान छोड़े शब्द से एकदम पहले अथवा एकदम बाद किया जाना चाहिए?''....निश्चित रूप से संपादकीय विचारोत्तेजक, गंभीर और बेहद वंदनीय कही जा सकती है। ... संग्रह में नब्बे लघुकथाकारों की विविध विषयों की बेहतरीन लघुकथाएँ हैं। जनवादी चेतना की संवाहक मुझे यह पत्रिका जान पड़ती है। ऋचा वर्मा, रामेश्वर कांबोज 'हिमांशु', अशोक भटिया, वीरेन्द्र कुमार भारद्वाज, डॉ. रामकुमार घोटड़, डॉ. शील कौशिक, भगीरथ परिहार के आलेखों व लघुकथा के गहन चिंतनपूर्ण विमर्शों पर केंद्रित यह 232 पृष्ठ की पत्रिका मुझे मानक ग्रंथ सरीखी प्रतीत होती है।

ग्वालियर से प्रकाशित 'किस्सा कोताह' जनवादी चेतना का निरंतर प्रसार कर रही है। इसका जुलाई-दिसम्बर अंक लघुकथा विशेषांक पर केंद्रित है।

लघुकथा प्रतियोगिता पत्रिका के सौजन्य से आयोजित हुई थी। जिसमें विजेता लघुकथाकारों के अलावा 50 से अधिक लघुकथाकारों की लघुकथाएँ भी प्रकाशित की गयीं। बजरंग बिहारी तिवारी, राज कुमार राज, सुनीता मिश्रा, गीता चैबे, मनोरमा पंत, शिवअवतार पाल आदि ने लघुकथा पर गहन विमर्श किये हैं। रश्मि लहर, अनूप मणि त्रिपाठी, अनीता रश्मि जैसे लघुकथाकरों की बेहतरीन लघुकथाएँ संग्रहीत हैं, पर कुछ लघुकथाएँ पत्रिका की विचारधारा के अनुकूल नहीं हैं, यथा, मृणाल आशुतोष जैसे कई लघुकथाकारों की लघुकथाएँ शायद संपादक ने सरसरी तौर पर ही खीं होंगी।.....संपादक ने लघुकथा पर विशेषांक छाप कर श्रमसाध्य कार्य किया है। विशेषांक में कवियों की शायरों की महफिल भी है। लघुकथा से इतर काव्य प्रेमियों को भी यह अंक आकर्षित करेगा। संपादक ए. असफल बधाई के पात्र हैं। आठ वर्षों से पत्रिका का सफल संपादन प्रकाशन करने वाले संपादक अपना उप नाम असफल क्यों रखें हैं, यह भी शोध का विषय है। बहरहाल यह 116 पेज का यह संग्रहणीय अंक है। ए. असफल जी को बधाई।

साहित्य, संस्कृति और कला की समग्र चेतना को जन-जन तक प्रसारित करने वाली मासिक पत्रिका कथादेश 43 वर्षों से निरंतर प्रकाशित हो रही है। अक्टूबर अंक लघुकथा पर केंद्रित है, जो आजकल साहित्य जगत में चर्चा का विषय बना हुआ है। अखिल भारतीय लघुकथा प्रतियोगिता-16 के सभी विजेता लघुकथाकरों की लघुकथाओं से सुसज्जित यह अंक बेहद पठनीय और वंदनीय बन पड़ा है। कथादेश अखिल भारतीय लघुकथा प्रतियोगिता के परिणामों का हर वर्ष देश के सभी लघुकथाकारों को बेसब्री से इंतजार रहता है। लघुकथा.कॉम के संपादक द्वय सुकेश साहनी, रामेश्वर कांबोज 'हिमांशु' द्वारा आयोजित यह प्रतियोगिता न सिर्फ तमाम उत्कृष्ट रचनाओं को संकलित करने में सफल रही, बल्कि तमाम नये रचाकारों को बेहतर लेखन के लिए प्रेरित भी करती रही। हरभवान चावला, ट्विंकल सिंह तोमर, इंद्रजीत कौशिक, शिव चरण सरोहा ,डॉ.पूरन सिंह, आशा शर्मा आदि लघुकथाकार इस बार विजेता रहे। संपादक हरिनारायण के बारे में लोग कहते हैं कि उनकी नजर कहानियों के चयन मे बड़ी पारखी और संजीदा है। यही कारण है, बरसों से श्रेष्ठ कहानियों को चुनने का सेहरा हरिनाराण के ललाट पर लहरा रहा है। वाकई उन्हें कथाओं का कुशल पारखी और तारनहार हरि ही कहा जाये तो कोई अतिश्योक्ति न होगी। इस अंक में सामान्य अंकों की तरह कहानियाँ कविताएँ समीक्षाएँ अदि को भी समाहित किया गया है। अंक संग्रह के योग्य है। कथा के देश में भ्रमण-रमण करने वाले तृषितों को कथादेश उनकी अतृप्त क्षुधा को तृप्त करते में पूर्णतया समर्थ है।

वक्रोक्ति

सुदर्शन कुमार सोनी

लेखक व्यंग्यकार हैं।

श्वान इंसान की पहचान

आप तो बस उस आदमी का कुत्ता मेरे सामने ले आएं जिसके बारे में आप कुछ ठोस जानना चाहते हैं। वैसे आर्थिक व मानसिक रूप से पोला आदमी तो कुत्ता पालने के बारे में न ही सोचे । कुत्ते व उसकी प्रजाति, परवरिश, आदि के आधार पर कुछ बानगियां पेश हैं। यदि किसी शख्स का कुत्ता अच्छा खासा तंदरूस्त है उससे भी ज्यादा तो यह एक उदार प्रकृति का इंसान है । अपने श्वान पर अ च्छा खासा खर्च करता है। यानि कि यह आदमी कंजूस नहीं है। पर जरूरी नही है कि यह आदमी दौलत मंद हो। हां दिल का दौलतमंद इसे कह सकते हैं। यदि किसी का श्वान बहुत उछल कूद करता है यानि कि बहुत एक्टिव है तो इसका मतलब है कि उसका मालिक भी एक एक्टिव इंसान है या कि जो स्वभाव से एक्टिव होते हैं वो कुतरा भी एक्टिव टाईप ही पालते हैं।

कहा जाता है कि एक इंसान के व्यक्तित्व के बारे में पता करना है तो उसके जूते गौर से देखो। जिनको जूते में विश्वास नही हैं वे कहते हैं कि यदि किसी इंसान के गुसलखाने यानि की बाथरूम का मुआयना कर लो तो उसके व्यक्तित्व का मुआयना हो जाता है। पुराने सयान बुजुर्ग जन जब अपने पुत्र पुत्री का रिश्ता तय करने जाते थे तो सामने वाले के घर के संडास में बिंदास हो आया करते थे। कुछ लोग व्यक्तित्व की पहचान दोस्ती या कंपनी से करते हैं कि 'ए मैन इज नोन वाय दा कंपनी ही कीपस'पर कुछ कहते हैं 'ए मैन इज नोन वाय दा कंपनी ही डज नाट कीप'।

पर गंगाधर तो इंसान की हर चीज का समाधान श्वान में खोजता है। चाहे प्रबंधन हो या धैर्य सीखना हो या कि अपने कम्फर्ट जोन से बाहर आना हो या पूरे समय नाक में दम करवाना हो तो बस एक अदद कुत्ता पाल लें। विश्वास करें यदि आपके मन में कोई कुत्तापने की आदत ठहर गयी हो तो यह भी कुत्तेदार आदमी बनने पर जल्दी ही बाहर निकल जाएगी। वैसे ही जैसे विपक्षी दल के चुनाव जीतने पर ईवीएम को कोसने की आदत निकल जाती है।

आप तो बस उस आदमी का कुत्ता मेरे सामने ले आएं जिसके बारे में आप कुछ ठोस जानना चाहते हैं। वैसे आर्थिक व मानसिक रूप से पोला आदमी तो कुत्ता पालने के बारे में न ही सोचे । कुत्ते व उसकी प्रजाति, परवरिश, आदि के आधार पर कुछ बानगियां पेश हैं।

यदि किसी शख्स का कुत्ता अच्छा खासा तंदरूस्त है उससे भी ज्यादा तो यह एक उदार प्रकृति का इंसान है। अपने श्वान पर अ च्छा खासा खर्च करता है। यानि कि यह आदमी कंजूस नही है। पर जरूरी नही है कि यह आदमी दौलत मंद हो। हां दिल का दौलतमंद इसे कह सकते हैं।

यदि किसी का श्वान बहुत उछल कूद करता है यानि कि बहुत एक्टिव है तो इसका मतलब है कि उसका मालिक भी एक एक्टिव इंसान है या कि जो स्वभाव से एक्टिव होते हैं वो कुतरा भी एक्टिव टाईप ही पालते हैं।

यदि किसी का कुत्ता हर दम डरा-सहमा सा रहता है। तो मान कर चलिए कि यह निगेटिव सोच वाला हमेषा

आशंका ग्रस्त रहने वाला इंसान ही होगा।

यदि कुत्ता विदेशी प्रजाति का हो जैसे कि लेब्राडोर, जर्मन शेफर्ड, डोबरमेन तो इसका मतलब कि यह आदमी स्वदेशी से ज्यादा विदेशी पर यकीन रखता है। यह अपने बच्चों को कान्वेंट स्कूल में ही पढ़ायेगा। आमंत्रण पत्र अंग्रेजी में छपवायेगा। नेम प्लेट अंग्रेजी वाली लगाएगा। यदि किसी के यहां एक से अधिक कुत्ते हों और उसमे एक दो देशी भी हों तो दर असल यह देशी को भी प्यार करने वाली बात है।

श्वानके डील-डौल के हिसाब से भी कुत्तेदार आदमी के व्यक्तित्व का पता चलता है यदि किसी शख्स के पास पिट बुल, ग्रेट डेन, डाबरमेन जैसे बड़े फरमे वाले कुत्ते हों तो इसका मतलब कि यह इंसान भी अपने श्वान की तरह मौका आने पर एग्रेसिव हो सकता है। यह आस पड़ोस में अपना सिक्का कुत्ते के माध्यम से जमाना चाहता है। अब यदि कोई पामेरियन जैसे छोटे डील-डौल के कुत्ते पालता है तो इसका मतलब कि वह कुत्ते का शौक तो पूरा करना चाहता है पर ज्यादा समस्याओं का फैलावा नही चाहता है। 'स्माल इज ब्यूटीफुल' में विश्वास करता है। वह अपने कुत्ते से केवल इतना चाहता है कि यह अवांछित लोगों पर न्यूनतम भौंक-भांक समय-समय पर करता रहे।

ऐसे भी मिलेंगे जो कि विश्व के सबसे छोटे डॉग चिहुआहुआ जैसी प्रजाति जो कि पांच इंच से कम व डेढ़ किलो वजन का होता है को पालते हैं तो अब इनके बारे में क्या कहा जाए। इस पर अभी और रिसर्च करनी होगी। विचित्र व्यक्तित्व के स्वामी ऐसे श्वान स्वामी को कह सकते हैं। या ये इंसान अपने खास श्वान के माध्यम से आम जन का ध्यान आकृष्ट करना चाहता है। वैसे आजकल हर जगह वजनदारी का अभाव होता जा रहा है। चाहे राजनीति हो, नौकरी हो, रिश्ते हों

जो इंसान अपने कुत्ते को रात को घर के अंदर कर देता है वह उनके प्रति ज्यादा संवेदनशील होता है। थोड़े कठोर परंतु व्यवहारिक सोच वाले लोग कड़ाके की सर्दी हो या कि जानलेवा गर्मी उसे रात को बाहर ही रखते हैं। ऐसे लोग अपने नौकर से भी कठोरता से पेश आते हैं।

जो श्वान पालक अपने श्वान को अपने किचन बेड आदि में भी आने/चढ़ने को बुरा नही मानते वे उसे परिवार का एक सदस्य की तरह मानते हैं। ये डाउन टू अर्थ की तरह के लोग होते हैं।

जो श्वान पालक मांसाहारी श्वान को स्वयं शाकाहारी होने के कारण जबरदस्ती शाकाहारी भोजन ही खिलाते हैं ये वे लोग हैं जो कि दूसरे की भावना से खिलवाड़ करना अपना अधिकार समझते हैं । पर इसके उलट यदि कोई स्वयं सामिष है पर अपने श्वान को निरामिष भोजन खिलाने में गुरेज नही करता तो इसका मतलब है कि वह सामने वाले की भावनाओं की कद्र करना जानता है। ऐसा आदमी अपने पेशे या नौकरी में आसानी से समन्वय बना लेता है।

यदि कोई व्यक्ति सफाई पसंद है तो बहुत लाजिमी है वह अपने श्वान को भी नियमित रूप से नहलाना धुलाना करता है। जो केवल जुमे के जुमे नहाने टाईप वाले हैं । उसका श्वान भी धूल से सना मिलेगा।

जो अपने श्वान का इलाज सरकारी पषु चिकित्सालय व स्वयं का अच्छे निजी में करवाता है वह डबल स्टेंडर्ड वाला इंसान हो सकता है। जो अपने श्वान का निजी क्लीनिक में ही छोटी सी छोटी बात होने पर करवाता है वह दिलेर व अपने श्वान को वास्तव में प्यार करने वाला इंसान होता है। ऐसे शख्स श्वान के नये कपड़े, नये पटटे, नये खिलौने, नये-नये खाने के आयटम आदि चाहे जब लाकर अपने प्यार व केयरेस की भावना का प्रदर्शन करता है। ऐसे लोग खुले दिल के होते हैं।

जो इंसान देशी श्वान को पालता है वह देशी की कद्र करना जानता है। वह समाज की परवाह नही करता। धारा से विपरीत चलने की कूबत रखने वाला इंसान होता है।

आप कहोगे कि जो कुत्तेदार नही हैं तो उसके व्यक्तित्व पर कैसे प्रकाश डालेंगे। गंगाधर तो मानता है कि ये वो लोग हैं जो कि अपनी सुकून भरी जिंदगी में किसी तरह का खलल नही चाहते। उन्हे मालूम है कि एक कुत्ता पालना एक इंसान के लिए आसान कार्य नही है। जेब ढीली, कम्फर्ट जोन से चाहे जब बाहर होने एक पांव से तैयार रहने की कूबत होना। पड़ोसियों से चाहे जब कुकर के कारण झगड़े के लिए तैयार रहना। ये व्यावहारिक सोच के लोग हैं। कुछ गैर कुत्तेदार लोग सड़क छाप को बिस्किट वगैरह दे कर अपने लिमिटेड एडीशन श्वान प्रेम का इजहार कर लेते हैं। । तो जो कुत्तापालक नही हैं उनके व्यक्तित्व के बारे में भी तो पता चल गया। कुत्तेदार न होना भी बहुत कुछ अपने आप में बयान कर देता है।

मुलताई के व्यापारी का अनाज लेकर भागे थे ड्राइवर 1 करोड़ 30 लाख रूपए का मशरूका बरामद

42 टन गेहूं चुराने वाले तीन आरोपी राजस्थान से गिरफ्तार

संजय द्विवेदी, बैतूल। राजस्थान के आरोपी इतने शातिर निकले कि उन्होंने 42 टन गेहूं से भरे 2 ट्राले ही गायब कर दिए। व्यापारी की शिकायत पर इस मामले में पुलिस ने दोनों ट्राले और गेहूं समेत 3 आरोपियों को राजस्थान से गिरफ्तार किया है। वहीं एक अन्य मामले में शाहपुर पुलिस ने भोपाल-नागपुर नेशनल हाईवे के बरेठा घाट पर ट्रक कटिंग करने के मामले में एक फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस विभाग बैतूल के जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि 26 अक्टूबर 2024 को फरियादी संतोष पिता लक्ष्मीचंद साहू, निवासी तासी वार्ड, मुलताई ने थाना मुलताई में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वे गल्ला खरीद-बिक्री का व्यवसाय करते हैं। 15-16 अक्टूबर 2024 को उनके गोदाम ग्राम चौथिया से 42 टन गेहूं लेकर दो ट्राले (क्रमांक आरजे-09/जीडी-9475 और आरजे-09/जीडी-9476) हैदराबाद के संगारेड्डी के लिए रवाना किए गए थे। तय समय सीमा (2 दिन) में माल नहीं पहुंचने पर ड्राइवरों से संपर्क किया गया, जिन्होंने अगले दिन माल पहुंचाने की बात कही। इसके बाद दोनों ट्रक ड्राइवरों ने अपने फोन बंद कर लिए। 26 अक्टूबर 2024 तक भी माल गंतव्य पर नहीं पहुंचा, जिससे फरियादी को लगभग 25,54,408 रुपये का नुकसान हुआ।

धोखाधड़ी और गबन का मामला दर्ज - फरियादी संतोष पिता लक्ष्मीचंद साहू निवासी तासी वार्ड मुलताई की रिपोर्ट पर चालकों द्वारा फरियादी से धोखाधड़ी करने, छलपूर्वक किसी और के द्वारा भरोसे पर दी गई संपत्ति को गबन करने का अपराध करना पाए जाने पर थाना मुलताई में अपराध क्रमांक 749/2024, धारा 318(4), 316(2), 316(3), 3(5) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। पुलिस अधीक्षक बैतूल, निश्चल एन. झारिया के निर्देश पर एसडीओपी मुलताई एवं थाना प्रभारी मुलताई द्वारा त्वरित कार्रवाई के लिए विशेष टीम गठित की गई। गठित टीम में सहायक उप निरीक्षक श्रीराम माण्डवी, प्रधान आरक्षक गजराज सिंह, एवं आरक्षक सतेंद्र पाल को राजस्थान भेजा गया।

राजस्थान से गिरफ्तार किए 3 आरोपी- टीम ने तीन आरोपियों को राजस्थान से गिरफ्तार किया और मशरूका (42 टन गेहूं और दोनों ट्रक) बरामद किया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में आबिद पिता मुंशीखां (32) निवासी ग्राम सादलखेडा थाना निकुम्भ, जिला चित्तौडगढ, इशाद पिता मुंशी खां (36) निवासी ग्राम सादलखेडा, थाना निकुम्भ, जिला चित्तौडगढ़, और मदन पिता बरदीचंद कुमावत निवासी ग्राम आवलहेडा, थाना बस्सी, जिला चित्तौडगढ़ शामिल हैं। आरोपियों को न्यायालय में पेश कर उपजेल मुलताई भेजा गया। पुलिस अधीक्षक बैतूल श्री झारिया ने टीम की सराहना की और भविष्य में भी इसी तरह की त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए।

बरेठा घाट पर ट्रक में चढ़कर कटिंग करने वाले फरार आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

विगत 5 अक्टूबर 2024 को प्रार्थी अंकुश राठौर निवासी आजाद वार्ड भौंरा द्वारा थाना शाहपुर में शिकायत दर्ज कराई गई कि उनकी आयसर गाड़ी से लहसुन के कट्टे चोरी हो गए। शिकायत के आधार पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध किया गया। विवेचना के तहत आरोपियों की पहचान कर छोटेलाल उर्फ छोटे पिता मन्नू परते (निवासी भक्तनढाना), अन्नू बाई पति रामसिंह उइके (निवासी पाठई), टिल्ला उर्फ टीकम पिता नत्थू धुर्वे (निवासी पाठई) एवं हेमू उर्फ हेमराज पिता बनवारी परते (निवासी पाठई) को पूर्व में गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया जाकर आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए 10 कट्टे लहसुन बरामद किए गए थे। प्रकरण में 2 आरोपी फरार चल रहे थे। फरार आरोपी राकेश पंद्राम एवं राजकुमार पिता रामसिंह उइके की तलाश जारी थी। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ग्राम पाठई पहुंची और राकेश पंद्राम को झाडियों में छिपा हुआ पाया। घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार किया। उसकी निशानदेही पर ट्रक का तिरपाल काटने वाला धारदार औजार (लोहे का बका) बरामद किया गया।

दो दिवसीय कोना-कोना शिक्षा कार्यक्रम का समापन

बैतूल। शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मुलताई में एनआईएसएम द्वारा प्राचार्य डॉ.वर्षा खुराना के मार्गदर्शन में दो दिवसीय कोना-कोना शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित कार्यशाला का शुक्रवार को समापन किया गया। कार्यशाला में एनआईएसएम के आरपी जितेंद्र धुंड़े द्वारा विद्यार्थियों को प्रतिभूति बाजार में करियर के अवसर, म्युचुअल फंड, डिमैट अकाउंट, सेबी की शिकायत प्रणाली, बचत एवं निवेश प्राथमिकता एवं वित्तीय बाजार के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान प्रश्न मंच प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर का हिस्सा लिया। कार्यशाला में प्रो.पंकज कुमार झाडे और श्री हनोते, आशीष देशभ्रतार सहित लगभग 100 छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया।

नगर परिषद की पार्षद ने कलेक्टर से की शिकायत

22 छात्र-छात्राओं को अब तक नहीं मिली अंकसूची

बैतूल। जन अभियान परिषद जिला बैतूल के पदाधिकारियों पर नियमों की अनदेखी करने के आरोप नगर परिषद चिचोली की एक पार्षद ने लगाए हैं। दरअसल वार्ड क्रमांक 15 नगर परिषद चिचोली की पार्षद नेहा रूपेश आर्य ने कलेक्टर से ज्ञापन के माध्यम से की गई शिकायत में बताया है कि वर्ष 2019-20 के बीएसडब्ल्यू अंतिम वर्ष के 22 छात्र-छात्राओं को अब तक उनकी अंकसूची नहीं दी गई है। इस बारे में छात्रों ने बार-बार जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक और संभागीय समन्वयक से निवेदन किया, लेकिन अधिकारियों ने कभी विश्वविद्यालय का हवाला देकर, तो कभी सप्ताहभर में अंकसूची देने की बात कहकर उन्हें टाल दिया। और छात्रों को आज तक अंकसूची नहीं मिली है। छात्र-छात्राओं में नोमेश इवने, प्रहलाद राठौर, सपना इवने, कृष्णा कुमरे, शिवलु इवने, दिलीप काकोडिया, बंटी वाडिवा, मोनिका धुर्वे, कंचना धुर्वे, सविता सलामे, विजय उबनारे, सतीश मर्सकोले और विनोद इवने शामिल हैं। ज्ञापन देकर शिकायत करने वालों में पार्षद के अलावा प्रमुख रूप से जमदूसिंग अहाके, मोमेस, नोमेस, विनोद इवने, बंटी वाडिवा, सविता सलामे, विनोद इवने आदि शामिल थेढ्ढ इन्होंने बताया कि ज्ञापन की प्रतिलिपि मोहन नागर उपाध्यक्ष मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद भोपाल, प्रमुख सचिव मध्यप्रदेश शासन भोपाल और योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के प्रमुख सचिव को भी भेजी गई है।

रेलवे कर्मचारियों, पेंशनरों को मिलेगी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं

राठी हॉस्पिटल को टाइअप में किया शामिल

बैतूल। जिले में लगभग 5000 कर्मचारी एवं 3000 पेंशनर्स एवं उनके परिवारों को रेलवे चिकित्सालय आमला के अतिरिक्त प्राइवेट में क्रिश्चियन मिशन हॉस्पिटल पाढर के साथ कुछ वर्षों पूर्व टाइप किया गया था, जहां कर्मचारियों को निरंतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। श्री गोवर्धन क्रिटिकल केयर एंड मैटरनिटी ट्रॉमा सेंटर एंड मल्टी स्पेशलिस्ट सेंटर बैतूल के साथ भी रेलवे का टाइप पूर्ण हो गया है। नेशनल रेलवे मंडल मजदूर यूनियन के मंडल अध्यक्ष मनोज चौथानी एवं बैतूल शाखा के सचिव समन्वय अशोक कटारे ने बताया कि लगातार प्रयासों के बाद राठी हॉस्पिटल को भी प्राइवेट हॉस्पिटल के टाइअप में शामिल कर लिया गया है। इस अस्पताल में कार्डियोलॉजिस्ट, यूरोलॉजिस्ट, न्यूरोलॉजिस्ट एवं गायनिक के 16 विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम उपलब्ध है, जो 24 घंटे उपलब्ध रहेंगे। इससे लगभग 15 से 20 हजार कर्मचारियों, उनके परिवारों को इमरजेंसी में चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होती रहेगी। यहां इलाज करवाने के लिए रेलवे चिकित्सालय आमला से रिफलर लेटर लेना आवश्यक होगा। केवल आपातकालीन मामलों में ही सीधे इलाज कराया जा सकेगा। इसके लिए 24 घंटे के अंदर इमरजेंसी प्रमाण पत्र एवं रेफरल लेटर प्राप्त करना होगा। नेशनल रेलवे मजदूर यूनियन के इस प्रयास से कर्मचारियों में हर्ष व्याप्त है।

बढ़ती ठंड के मद्देनजर कलेक्टर ने देर रात्रि भ्रमण कर व्यवस्थाओं का किया औचक निरीक्षण

रैन बसेरा, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड इत्यादि प्रमुख स्थानों पर अलाव आदि की व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के दिए निर्देश

बैतूल। जिले में लगातार बढ़ती ठंड को देखते हुए कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने जिले में सभी निकायों के प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर अलाव आदि की व्यवस्थाएं किए जाने के निर्देश दिए थे। इसी तारतम्य में गुरुवार देर रात्रि कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ठंड के मद्देनजर शहर में की गई व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने भ्रमण पर निकले।

सबसे पहले कलेक्टर रेलवे स्टेशन पहुंचे। उन्होंने यहां सो रहे लोगों से चर्चा की और उनकी उचित व्यवस्था न दिखाई देने पर उन्हें ऑटो में रैन बसेरे पहुंचवाया। उन्होंने रैन बसेरे में भोजन और विश्राम की उचित व्यवस्था किए जाने के भी निर्देश दिए। इसके बाद कलेक्टर कोठी बाजार स्थित बस स्टैंड पहुंचे। उन्होंने यहां भी सो रहे लोगों से चर्चा की और उन्हें स्वास्थ्य के दृष्टिगत ठंड में ना सोने की हिदायत दी। सो रहे व्यक्तियों को रैन बसेरा पहुंचवाया। बढ़ती ठंड के दृष्टिगत कलेक्टर ने ऐसे सभी से आग्रह किया है कि खुले में न सोए। शासन द्वारा रैन बसेरे में उचित व्यवस्था की गई है, उसका लाभ लें। उन्होंने अधिकारियों को जिले में रैन बसेरे का विस्तार करने के भी निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एडीएम राजीव नंदन श्रीवास्तव, मुख्य नगरपालिका अधिकारी सतीश मत्सेनिया सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहें।

पुलिस ने जुआ फड़ पर की कार्यवाही, 8 आरोपी पकड़ाए

बैतूल। कोतवाली पुलिस ने ग्राम छुरी पाढर में एक साथ 3 जुआ फड़ों पर दबिश देकर ताश पत्तों से हार-जीत का जुआ खेलते 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया, जबकि 8 आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गए। सभी के खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में खुलासा हुआ कि जुआ फड़ ग्राम छुरी पाढर में गोलू उर्फ प्रवीण राठौर निवासी पाढर द्वारा संचालित किया जा रहा था। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सूचना मिली थी कि ग्राम छुरी पाढर में जुआ संचालित किया जा रहा है। सूचना मिलते ही टीम ने कार्रवाही करते हुए राजेश पिता सुक्का सूर्यवंशी (38) निवासी ग्राम सिवनपाट, नितीश कुमार पिता किशन लाल चौहान (30) निवासी ग्राम कटंगी, मुकेश वाडिवा पिता धीरज वाडिवा (26) निवासी ग्राम छुरी, सतीश कहार पिता नन्नेलाल कहार (34) निवासी पाढर, आकाश पिता राम बाबू उत्तर बिल्ली (21) निवासी वार्ड नं. 03, हाल निवासी छुरी, किशन चौरसिया पिता रमेश चौरसिया (30) निवासी पटवारी कॉलोनी, राम नगर, मनोज उईके पिता फकीरा उईके (34) निवासी ग्राम छुरी और प्रकाश पिता घुडल्या चौकीकर (58) निवासी वार्ड नं. 02 विजय नगर सारनी को पकड़ा।

जिसके पास से ताश की गड्डी, 7 मोबाइल (कीमत लगभग 72,000) और नगद 11,070 रूपये जब्त किये। उक्त कार्यवाही में निरीक्षक रविकांत डेहरिया, उपनिरीक्षक दिनेश कुमरे, सहायक उपनिरीक्षक अजय अजनेरिया, प्र. आर. अरविंद, आर. नितिन चौहान, आर. शिव कुमार, आर. मदनलाल, आर. प्रदीप, आर. अनिल, आर. प्रफुल्ल, एवं आर. महेश नगदे ने विशेष भूमिका निभाई।

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय में प्रवीण गुगनानी का व्याख्यान संपन्न

जनजातीय समाज की परंपराओं, बिरसा मुंडा के जीवन व जनजातीय गौरव दिवस पर की चर्चा

बैतूल। इंदिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय, दिल्ली की मानविकी (ह्युमनिटीज) पीठ द्वारा जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। जनजातीय परंपराओं पर केंद्रित इस व्याख्यान में मुख्य वक्ता बैतूल के चिंतक, विचारक, भाजपा नेता एवं विदेश मंत्रालय, भारत सरकार में सलाहकार (राजभाषा) प्रवीण गुगनानी थे। प्रारंभ में विवि की मानविकी पीठ अध्यक्ष श्रीमती कौशल पवार ने बिरसा मुंडा के जीवन व जनजातीय गौरव दिवस पर चर्चा की। प्रवीण गुगनानी ने अपने व्याख्यान में जनजातीय समाज की परंपराओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। भारत में चल रहे विश्व आदिवासी दिवस के विमर्श पर व जनजातीय दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने जनजातीय क्षेत्रों की परंपराओं में आने वाली बाधाओं व सरकार द्वारा उनके निराकरण के उपायों पर भी विस्तार से चर्चा की। इस आयोजन में इग्नू विवि की मानविकी पीठ की अध्यक्ष कौशल पवार, इग्नू विवि की कुलाधिपति उमा कांजीलाल, एवं विवि के अन्य अधिकारी व प्रोफ़ेसर्स, विद्यार्थी व रिसर्च स्कालर्स उपस्थित थे। कार्यक्रम के पश्चात मुख्य वक्ता प्रवीण गुगनानी से छात्रों, रिसर्च स्कालर्स व प्रोफ़ेसर्स ने बड़ी संख्या में प्रश्नोत्तर किए। इस सफल आयोजन के पश्चात आभार प्रदर्शन प्रो. लियाक़त अली ने किया।

राष्ट्रीय बास्केटबॉल में दमदार प्रदर्शन कर लौटे अश्विन तिर्की, बैतूल में हुआ भव्य स्वागत

बैतूल। पटियाला, पंजाब में आयोजित अंडर-19 शालेय राष्ट्रीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश टीम का प्रतिनिधित्व कर बैतूल के अश्विन तिर्की ने शानदार प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अपनी मेहनत और खेल से सबको प्रभावित कर अश्विन जब बैतूल लौटे तो नागरिकों ने भव्य स्वागत किया। नागरिक बैंक के अध्यक्ष अतीत पंवार और वरिष्ठ खिलाड़ी रमेश भाटिया ने अश्विन को फूलमालाएं पहनाकर सम्मानित किया। अश्विन तिर्की ने स्टेडियम में उपस्थित साथी खिलाड़ियों और जूनियर खिलाडयिों के साथ अपने अनुभव साझा किए और उन्हें मेहनत व अनुशासन के साथ आगे बढने के लिए प्रेरित किया। अश्विन ने बताया कि कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प से ही राष्ट्रीय स्तर पर सफलता मिलती है। इस अवसर पर नागरिक बैंक के अध्यक्ष अतीत पंवार ने कहा कि

खिलाड़ियों को पढ़ाई और खेल दोनों में संतुलन बनाकर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने यह भी कामना की कि भविष्य में बैतूल से और भी खिलाड़ी राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में चयनित हों और जिले का नाम रोशन करें। अश्विन के स्वागत कार्यक्रम में जिला बास्केटबॉल संघ के सचिव राकेश बाजपेई, सह सचिव मो. तनवीर, कोषाध्यक्ष राजेश दीक्षित, सदस्य मो. शफीक मंसूरी, मुरली मालवी और दिनेश शर्मा सहित कई वरिष्ठ खिलाड़ी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी ने अश्विन की मेहनत और समर्पण की सराहना की और उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

घरेलू हिंसा की रोकथाम विषय पर ग्राम मिलानपुर में परियोजना स्तरीय कार्यक्रम आयोजित

बैतूल। जेंडर आधारित हिंसा उन्मूलन हेतु जागरूकता अभियान हम होंगे कामयाब के अंतर्गत परियोजना बैतूल ग्रामीण के तत्वावधान में शुक्रवार को ग्राम मिलानपुर में घरेलू हिंसा की रोकथाम विषय पर परियोजना स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। सर्वप्रथम ग्राम की शशि शुक्ला एवं परियोजना अधिकारी निरंजन सिंह द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण, पूजन कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। तत्पश्चात आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ज्ञानवंती झोंड द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में पर्यवेक्षक भुवनेश्वरी मालवीय ने उपस्थित ग्रामीण महिलाओं को सरकार द्वारा महिलाओं के हित में चलाए जा रहे कार्यक्रमों, नीतियों की जानकारी द्वारा दी। घरेलू हिंसा विषय पर श्रीमती श्वेता शुक्ला एवं प्रियंका चौधरी द्वारा प्रकाश डाला गया। वन स्टॉप सेंटर की प्रभारी अर्चना तिवारी ने घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाओं और बच्चियों के लिए वन स्टॉप द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। इस दौरान श्रीमती बबीता वर्मा द्वारा शासन की योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। परियोजना अधिकारी श्री निरंजन सिंह ने समाज में व्याप्त कुरीतियों जैसे कन्या भ्रूण हत्या रोकने, बालिका शिक्षा एवं सशक्त बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में घरेलू हिंसा से महिलाओं की सुरक्षा अधिनियम की जानकारी देकर घरेलू हिंसा की रिपोर्ट करने और उपलब्ध सहायता सेवाओं तक पहुंचाने की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का संचालन दीप्ति मेश्राम द्वारा किया गया। कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, महिलाएं उपस्थिति रही। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार द्वारा जेंडर आधारित हिंसा की रोकथाम के लिए 15 नवंबर 2024 से हम होंगे कामयाब अभियान प्रारंभ किया है, जो आगामी 10 दिसंबर 2024 तक जिले में चलेगा।

केंद्रीय विद्यालय के बच्चों ने सीखी मिट्टी से अद्भुत कृतियां बनाने की कला

नवीन शिक्षा नीति के तहत पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय में पारंपरिक कौशल पर हुई कार्यशाला

बैतूल। पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय में शुक्रवार 29 नवंबर को दो दिवसीय पूर्व व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम की कार्यशाला का शुभारंभ प्राचार्य आर.एन. पांडेय ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत में मिट्टी के बर्तन और कलाकृतियां बनाने वाले कलाकार श्याम प्रजापति का हरित स्वागत किया गया। श्याम प्रजापति ने बचपन से ही मिट्टी के बर्तनों और कलाकृतियों को आकार देने का कार्य किया है। यह कार्यशाला नवीन शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत आयोजित की गई, जिसमें बैग रहित दिवस मनाने का प्रावधान है। इस नीति के तहत बच्चों को विभिन्न कौशलों का प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण निपुण कलाकारों और शिल्पकारों द्वारा दिया जाएगा। प्राचार्य आर.एन. पांडेय ने बताया कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य बच्चों को पारंपरिक कौशलों में निपुण बनाना और उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर करना है। श्याम प्रजापति ने बच्चों को

धैर्यपूर्वक मिट्टी से कलात्मक वस्तुएं बनाने का प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बारीकी से समझाया कि मिट्टी, चाक और हाथों के स्पर्श से किस प्रकार कुछ ही पलों में सुंदर कलात्मक वस्तुएं बनती हैं। बच्चों ने उत्साहपूर्वक मिट्टी के बर्तन और अन्य कलात्मक वस्तुएं बनाईं और इस प्रक्रिया का आनंद लिया। कक्षा 6 से 8 तक के लगभग 250 बच्चों ने इस कार्यशाला में सक्रिय भागीदारी की। इस तरह की कार्यशालाओं के माध्यम से बच्चों में आत्मनिर्भरता और कौशल विकास को बढ़ावा दिया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में सीमा साहू, संजय सोनी, दिलीप डांगे, के.सी. साहू, कृष्णा खातरकर और मुकेश यादव का विशेष सहयोग रहा। विद्यालय ने घोषणा की कि इस तरह की कार्यशालाएं भविष्य में भी आयोजित होती रहेंगी ताकि बच्चे अपनी रुचि के अनुसार विभिन्न कलाओं में दक्षता प्राप्त कर सकें।

बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में अधोसंरचना व विकास के शेष कार्य शीघ्र पूर्ण करें : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

वन्य विहार में लगाया जायेगा सीएनजी उत्पादन का प्लांट

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने निर्देश दिये है कि बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में अधोसंरचना निर्माण व विकास के शेष कार्य शीघ्र पूर्ण करायें। गौवंश वन्य विहार को आत्मनिर्भर बनाने के लिये सीएनजी प्लांट की स्थापना कराई जायेगी तथा रीवा नगर निगम के कचरा वाहन उत्पादित सीएनजी से चलेंगे। इसके साथ ही गाय के गोबर व गौमूत्र से बनने वाली सामग्री का विक्रय कर गौवंश वन्य विहार को स्वावलंबी व आर्थिक तौर पर सक्षम बनाया जायेगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने गौवंश वन्य विहार के रेस्ट हाउस में रात्रि विश्राम किया तथा प्रातः काल गौवंश के बीच सुरम्य वातावरण में भ्रमण करते हुए वन्य विहार की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने वन्य विहार में वरिष्ठ प्रशासनिक एवं विभागीय अधिकारियों की बैठक में निर्देश दिये कि गौवंश के लिये पक्की सड़क में अस्थाई शेड का निर्माण करायें ताकि गौवंश के लिये पूर्व से निर्मित शेड के अतिरिक्त आश्रय की व्यवस्था हो सके। उन्होंने गौवंश वन्य विहार को पूर्णतः सोलर से उर्जीकृत करने के लिये सोलर पैनल लगाये जाने के भी निर्देश दिये। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि गाय के गोबर से बनने वाली खाद को किसानों को समितियों के माध्यम से विक्रय कराने की व्यवस्था करायें साथ ही गोनाइल व गोबर विक्रय की व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने रेस्ट हाउस के सामने रिक्त भूमि को समतल कर पेवर ब्लाक लगाने तथा पक्का मंच बनाने के भी निर्देश दिये।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि गौवंश वन्य विहार का संपूर्ण परिसर आकर्षक, स्वच्छ व सुरम्य बनाया जाय। उन्होंने कहा कि पर्यटन विभाग द्वारा इसे टूरिस्ट सर्किट से भी जोड़ा जा रहा है। उप मुख्यमंत्री ने बैठक में निर्देश दिये कि मृत पशुओं के निष्पादन के लिये गौवंश वन्य विहार से बाहर स्थल सुनिश्चित किया गया है वहां निष्पादित करायें तथा बिजली से निष्पादित किये जाने वाले संयंत्र की भी स्थापना के प्रस्ताव बनाकर इसे शीघ्र स्थापित करायें। उन्होंने कहा कि आगामी जनवरी माह में प्रयागराज में आयोजित हो रहे महाकुंभ के दौरान पूज्य संत श्री अवधेशानंद, श्री मोरारी बापू तथा श्री बाबा रामदेव का भी बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में पदार्पण प्रस्तावित है अतः सभी कार्य समय से पूरे कर लिये जायें। उन्होंने प्रशासनिक भवन तथा मंदिर निर्माण का कार्य पूरा कराने के लिये निर्देशित किया।

उप मुख्यमंत्री ने वन्य विहार में कार्यरत गौसेवकों से संवादकर उनकी समस्यायें जानी तथा उनके समाधान करने के निर्देश दिये। उन्होंने सभी गौसेवकों के आयुष्मान कार्ड बनाने तथा शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने की भी बात कही। उन्होंने गौसेवकों से अपेक्षा की कि वह गौवंश की सेवा में कोई कोरकसर नहीं छोड़ेंगे। उनकी सुख सुविधा व व्यवस्था का ध्यान रखा जायेगा। उप संचालक पशुपालन डॉ. राजेश मिश्रा ने वन्य विहार के आय-व्यय का प्रस्तुतिकरण किया। बैठक में पूर्व विधायक केपी त्रिपाठी, कमिश्नर रीवा संभाग श्री बीएस जामोद, डीआईजी श्री एसपी पाण्डेय, मुख्य वन संरक्षक श्री राजेश राय, प्रभारी कलेक्टर डॉ. सौरभ सोनवणे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बसामन मामा गौवंश वन्य विहार की जल आपूर्ति व्यवस्था कार्य का किया शुभारंभ- उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने बसामन मामा गौवन्य विहार में जल आपूर्ति व्यवस्था सुनिश्चित कराने के लिये टमस नदी में मोटर से पानी पहुंचाने के कार्य का बटन दबाकर शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि बसामन मामा में अब निर्वाध जल आपूर्ति होगी जिससे गौवंश के लिये पानी मिलेगा तथा अन्य कार्यों के लिये भी पानी की उपलब्धता रहेगी। उन्होंने जल निगम के अधिकारियों को निर्देश दिये कि गौवंश वन्य विहार में पाइप लाइन डालकर पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करें ताकि गौवंश के साथ ही सिंचाई, चारा उत्पादन व पौधों की सिंचाई आदि के लिये पर्याप्त पानी की उपलब्धता रहे।

बसामन मामा के किये दर्शन- उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने बसामन मामा मंदिर में भगवान बसामन मामा के दर्शन किये। उन्होंने बसामन मामा की पूजा अर्चना एवं आरती कर जिले एवं प्रदेश की सुख समृद्धि की प्रार्थना की।

भोपाल के रैन बसेरों में पहुंचे कलेक्टर

बोले- ठंड में कोई भी खुले में न सोए; गादी-रजाई की व्यवस्था करें

भोपाल (नप्र)। भोपाल के रैन बसेरों का शुक्रवार को कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने औचक निरीक्षण किया। यहां उन्होंने ठंड से बचाव के इंतजाम देखें। जिम्मेदारों से कहा कि ठंड में कोई भी खुले में न सोएं। गादी-रजाई की व्यवस्था करें।

कलेक्टर सिंह ने ठंड में बेघर और जरूरतमंद लोगों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया। कलेक्टर ने कहा कि रैन बसेरों में रह रहे लोगों को ठंड से राहत देने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं मौजूद हों।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि रैन बसेरों में पर्याप्त सफाई, बिस्तर, कंबल और अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने कहा कि रैन बसेरों में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को गरिमापूर्ण और सुरक्षित वातावरण मिलना चाहिए। रैन बसेरों में नियमित रूप से व्यवस्थाओं की समीक्षा की जाए और किसी भी प्रकार की कमी को तुरंत दूर किया जाए।

रैन बसेरों में शरण दी जाए- कलेक्टर ने यह भी स्पष्ट किया कि ठंड के मौसम में कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति खुले में न सोए और सभी को रैन बसेरों में शरण दी जाए। उन्होंने अधिकारियों को सतर्कता बरतने और त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। ताकि किसी भी व्यक्ति को कोई असुविधा न हो।

भोपाल इज्तिमा के दौरान धर्मावलम्बियों की सुविधा के लिए ट्रेनों में कोच नामित

भोपाल। रेल प्रशासन द्वारा भोपाल इज्तिमा के दौरान धर्मावलम्बियों की सुविधा एवं भीड़ को ध्यान में रखते हुए, भोपाल रेल मंडल ने निम्नांकित यात्री ट्रेनों में सामान्य श्रेणी कोच नामित करने का निर्णय लिया है।

1. गाड़ी संख्या 11272: भोपाल-इटारसी एक्सप्रेस में दिनांक 02.12.2024 और 03.12.2024 को एक सामान्य श्रेणी कोच नामित किया गया है।
2. गाड़ी संख्या 14814: भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस में दिनांक 02.12.2024 और 03.12.2024 को एक सामान्य श्रेणी कोच नामित किया गया है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि नामित कोच की यह सुविधा धर्मावलम्बियों को आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करेगी और इज्तिमा के दौरान आने-जाने वाले धर्मावलम्बियों की यात्रा को सुगमता से प्रबंधित किया जा सकेगा। इस व्यवस्था से इज्तिमा के दौरान यात्रा करने वाले धर्मावलम्बियों को राहत मिलेगी

इज्तिमा धर्मावलम्बियों अनुरोध है कि वे अपनी यात्रा की योजना बनाते समय इस विशेष सुविधा का लाभ उठाएं।

आज नर्मदापुरम आयेंगे मानक अग्रवाल..

नर्मदापुरम। कांग्रेस और कांग्रेसियों पर सीधे पैठ रखने वाले भाई मानक अग्रवाल आज नर्मदापुरम आ रहें हैं। इस विधानसभा क्षेत्र में एक ही घर से चलाई जाने वाली राष्ट्रीय पार्टी में भाजपा और कांग्रेस जैसी पार्टी शामिल हैं। जिसमें कहा जा सकता है कि कांग्रेस का अस्तित्व पूरी तरह लकवाग्रस्त और प्रश्नवाचक बना हुआ है ऐसी स्थिति में भाई मानक अग्रवाल का नर्मदापुरम में संगठन को मजबूत करने और पार्टी में आगे की नीतियों को लेकर विचार विमर्श करने की महती जिम्मेदारी का भार बहुत ही महत्वपूर्ण समझा जाता है। नर्मदापुरम आ रहें श्री अग्रवाल समस्त कांग्रेसी कार्यकर्ताओं और नेताओं से कृषि उपज मंडी के समीप गीता मैरिज पैलेस में दोपहर तीन बजे मुलाकात करेंगें ।

सेमसंग मोबाईल का डीलर फेमेली मीट संपन्न

देवास। विश्व की सबसे बड़ी स्मार्ट फोन निर्माता कंपनी सेमसंग मोबाईल ने होटल रामाश्रय में फैमेली डीलर मीट का आयोजन किया। डीलर मीट में श्रीकिशन इन्फोकॉम प्रा.लि. के सभी रिटेलर, प्रमोटर, सेल्स एक्जीक्यिुटिव एवं सेमसंग कंपनी के अधिकारी उपस्थित रहे। मीट में दीपावली उत्सव स्कीम का लक्ष्य पूरा करने वाले रिटेलर और प्रमोटरों को सम्मानित कर पुरस्कृत किया। कंपनी के एमपीसीजी हेड अखिलेश सिंह राजपूत ने बताया कि इस वर्ष देवास की पूरी सेमसंग टीम ने स्मार्ट फोन सेल करने में पिछले कई वर्षों का रिकार्ड तोड़ा है। श्री खेड़ापति मोबाईल देवास के विजयवर्गीय ने बताया कि सेमसंग ने स्मार्ट फोन विक्रय के क्षेत्र में देवास में जबरजस्त वृद्धि की है।

पूर्व आईएएस सुखदेव प्रसाद दुबे का निधन

भोपाल। पूर्व आईएएस और मध्य प्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के अध्यक्ष श्री सुखदेव प्रसाद दुबे 29 नवंबर 2024 को सुबह 10 बजे अपने नश्वर शरीर को त्याग कर देवलोक गमन कर गए। हिंदी भवन परिवार की ओर से श्रद्धांजलि सभा का आयोजन आज शाम 4 बजे नरेश मेहता कक्ष, हिंदी भवन, भोपाल में किया जाएगा।

कलेक्टर ने रिश्वत के प्रकरण में पटवारी को किया निलंबित

बैतूल। गुरुवार को सायं 7.30 से 8 बजे लगभग जिला बैतूल की तहसील आठनेर के राजस्व निरीक्षक वृत्त आठनेर के पटवारी हल्का क्रमांक 27 व 29 के पटवारी प्रफुल्ल बारस्कर को लोकायुक्त पुलिस संगठन द्वारा रिश्वत लेने की घटना में रंगे हाथों ट्रेप किया गया है। जिस पर कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने पटवारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। पटवारी का उक्त कृत्य गंभीर रूप से आपतिजनक होकर शासन के प्रति पटवारी की संनिष्ठा और कर्तव्यपरायणता पर प्रश्नचिन्ह लगाता है और यह कृत्य म0प्र0 सिविल सेवा (आचरण) नियम 1966 के नियम 3 के विपरीत होकर म0प्र0 सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के तहत दण्डनीय है। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) भैंसदेही से प्राप्त सूचना के आधार पर पटवारी प्रफुल्ल बारस्कर को म.प्र. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम 9 के तहत तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर टप्पा कार्यालय सारणी तहसील घोड़ाडोंगरी में सम्बद्ध किया जाता है।

रानी दुर्गावती नर्सिंग कॉलेज ढूंढने पर एनएसयूआई देगी 1 लाख

प्रदेश उपाध्यक्ष बोले-नर्सिंग कॉलेजों में भ्रष्टाचार, सीबीआई जांच में 309 कॉलेज 'डेफिशिएंट' घोषित

भोपाल (नप्र)। इंडियन नर्सिंग काउंसिल ने 2024-25 सत्र की मान्यता सूची जारी की है। इस सूची में 'रानी दुर्गावती कॉलेज, नियर हाई कोर्ट, तहसील भोपाल, जिला भोपाल' का नाम शामिल है। इस कॉलेज को ढूंढने वाले को एनएसयूआई ने 1 लाख रुपए का इनाम देने की घोषणा की है।

एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने कहा कि इंडियन नर्सिंग काउंसिल की आधिकारिक वेबसाइट पर 21 नवंबर 2024 को अपलोड की गई सूची में भोपाल के आईईएस और मार बेसिलस नर्सिंग कॉलेज सहित प्रदेश के एक दर्जन नर्सिंग कॉलेजों को दी गई मान्यता पर सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो कॉलेज सीबीआई की डेफिशिएंट (अपर्याप्त) सूची में शामिल हैं, उन्हें किस आधार पर मान्यता जारी की गई है?

नर्सिंग कॉलेजों में भ्रष्टाचार का स्तर बढ़ा- शुक्रवार को आयोजित एक पत्रकार वार्ता में रवि परमार ने नर्सिंग कॉलेजों में व्याप्त भ्रष्टाचार और अनियमितताओं पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि 2023 में उच्च न्यायालय के आदेश पर शुरू हुई सीबीआई जांच की पहली रिपोर्ट में गड़बड़ियां उजागर हुई थीं। अब सीबीआई की दूसरी रिपोर्ट में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं।

रवि परमार ने बताया कि रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश के 667 नर्सिंग कॉलेजों में से 309 कॉलेजों को डेफिशिएंट श्रेणी में रखा गया है। यह संख्या पहली रिपोर्ट की तुलना में चार गुना अधिक है।

परमार ने आरोप लगाया कि नर्सिंग काउंसिल में भ्रष्टाचार का स्तर इतना बढ़ गया है कि सीबीआई द्वारा 'डेफिशिएंट' घोषित किए गए नर्सिंग कॉलेजों को ही इंडियन नर्सिंग काउंसिल (नई दिल्ली) ने 2024-25 सत्र के लिए मान्यता दे दी। यह दर्शाता है कि इंडियन नर्सिंग काउंसिल और नर्सिंग कॉलेज संचालकों के बीच गहरी मिलीभगत है।

रवि परमार की शिकायत और हाईकोर्ट का आदेश- रवि परमार ने बताया कि उन्होंने 15 अप्रैल 2024 को सीबीआई में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें कई 'सूटेबल' माने गए नर्सिंग कॉलेजों की संदिग्ध मान्यता पर सवाल उठाए गए थे। इसके बाद सीबीआई ने जांच तेज कर दी और कई अधिकारियों व दलालों को गिरफ्तार किया। हाईकोर्ट ने सभी 169 'सूटेबल' और अन्य नर्सिंग कॉलेजों के पुनः निरीक्षण का आदेश दिया।

एनएसयूआई ने चेतावनी दी है कि अगर सरकार ने जल्द कार्रवाई नहीं की, तो राज्यभर में आंदोलन किया जाएगा। परमार ने कहा कि छात्रों और जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए हर स्तर पर लड़ाई लड़ी जाएगी। जरूरत पड़ी तो सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन किया जाएगा।

एनएसयूआई की पांच सूत्रीय मांग- 2005 से अब तक जारी की गई सभी नर्सिंग डिग्रियों की जांच कर फर्जी डिग्री धारकों पर कार्रवाई की जाए।

'डेफिशिएंट' और 'अनसूटेबल' कॉलेजों को तत्काल बंद किया जाए।

दोषी अधिकारियों, दलालों और संस्थानों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। छात्रों को वैकल्पिक संस्थानों में स्थानांतरित कर उनकी शिक्षा सुनिश्चित की जाए। नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता प्रक्रिया पारदर्शी बनाने के लिए सख्त निगरानी तंत्र स्थापित किया जाए।

किराना दुकानदार ने खाया जहर, मौत

मां से की थी आखिरी बार बात, बोला- मैं, मर रहा हूं; नदी किनारे मिली बॉडी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र के रायपुर गांव के पास पातरा नदी के किनारे एक किराना कारोबारी ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। घटना गुरुवार शाम की है। आत्महत्या करने से पहले युवक ने परिजनों को कॉल किया और कहा कि मैं मर रहा हूं। घर वालों का कहना है कि उसने आत्महत्या का कारण नहीं बताया। बहुत पूछने पर जगह बताई। जब तक परिजन उसे तलाशते हुए पातरा नदी किनारे पहुंचे युवक ने जहर खा लिया था।

परिजन युवक को तत्काल ही लीलावती अस्पताल लेकर पहुंचे जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। शुक्रवार को शव का पोस्टमॉर्ट्म करवाकर परिजनों को सौंप दिया है।

मां को काल कर आत्महत्या की बात कही- चचेरे भाई अंतिम साहू ने बताया कि प्रदीप साहू (28) पिता गोविंद साहू निवासी रायपुर, गांव में परचून की दुकान चलाता था। गुरुवार को वो घर से 2 बजे किसी जरूरी काम का कहकर निकला। जिसके बाद 4 बजे प्रदीप ने मां को काल किया और आत्महत्या करने की बात करके कॉल काट दिया। जिसके बाद अन्य परिजनों ने कॉल किया तो युवक ने उठाया नहीं।

परिजन पहुंचे तो बेसुध मिला- अंतिम साहू ने बताया कि कई कॉल करने पर प्रदीप ने लगभग 5 बजे कॉल उठाया और बताया कि वो गांव से तीन किमी दूर पातरा नदी के पास है। जब तक परिजन वहां पहुंचे तो ने उसने जहर खा लिया था और बेसुध पड़ा था। जिस पर तत्काल ही उसे लीलावती अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां इलाज के दौरान रात 8 बजे प्रदीप की मौत हो गई।

मां का रो-रोकर बुरा हाल- प्रदीप के दो बड़े भाई है। जिनकी शादी हो गई है। युवक के पिता किसान हैं। घटना के बाद परिजनों के बीच शोक की लहर है। मां का रो-रोकर बुरा हाल है।

म.प्र.में 9वीं-11वीं का टाइम टेबल जारी

5 फरवरी से 9वीं और 3 फरवरी से शुरू होगी 11वीं की परीक्षाएं

भोपाल (नप्र)। लोक शिक्षण संचालनालय ने शैक्षणिक सत्र 2024-25 की कक्षा 9वीं और कक्षा 11वीं की वार्षिक परीक्षा का टाइम टेबल जारी कर दिया है। यह समय सारणी एमपी एजुकेशन पोर्टल पर अपलोड कर दी गई है। कक्षा 9वीं की परीक्षा वार्षिक परीक्षा का आयोजन 5 फरवरी 2025 से 22 फरवरी 2025 तक प्रातः 10:00 बजे तक किया जाएगा। कक्षा 11वीं की वार्षिक परीक्षाओं का आयोजन 3 फरवरी 2025 से 22 फरवरी 2025 तक दोपहर 2:00 बजे से 5:00 बजे तक किया जाएगा।

विश्व एड्स दिवस का मुख्य कार्यक्रम देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में होगा

केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री होंगे मुख्य अतिथि

भोपाल। एक दिसंबर 2024 को इंदौर के प्रतिष्ठित देवी अहिल्या विश्वविद्यालय सभागार में विश्व एड्स दिवस 2024 का मुख्य कार्यक्रम होगा। इस आयोजन की तैयारियों के साथ मध्य प्रदेश एचआईवी/एड्स के खिलाफ भारत के प्रयासों में केंद्रीय भूमिका निभाने को तैयार है। कार्यक्रम केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा के मुख्य आतिथ्य में होगा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम को सुशोभित करेंगे।

यूएनएड्स की थीम, 'टेक द राइट्स पाथ' के अनुरूप इस विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता, उपचार के लिए अधिकार-आधारित दृष्टिकोण और एचआईवी/एड्स से प्रभावित लोगों के खिलाफ भेदभाव को खत्म करने पर जोर रहेगा। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालयके तहत राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको), 1992 से प्रतिवर्ष 1 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस मना रहा है। इस तरह के आयोजन समुदायों, युवाओं, लाभार्थियों और विभिन्न संगठनों को एक साथ लाकर 2030 तक एचआईवी/एड्स को समाप्त करने के वैश्विक लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए चुनौतियों का समाधान करने और प्रगति करने में सहयोग को बढ़ावा दे रहे हैं।

कार्यक्रम में एक अभिनव प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जाएगा जिसमें नाको द्वारा अपनाए गए डिजिटल इको सिस्टम, सामुदायिक जुड़ाव, अभियान-आधारित दृष्टिकोण के माध्यम से हासिल की गई उपलब्धियां और लाभार्थियों द्वारा बनाई गई हस्तनिर्मित वस्तुओं की विविधता जैसे कार्यक्रम से संबंधित प्रमुख घटकों को प्रदर्शित किया जाएगा।

इसके अलावा इस कार्यक्रम में नाको के थीम गीत को जारी किया जाएगा जिसका लंबे समय से इंतजार है। इसके मूल गायक देव नेगी, मोको कोज़ा और एम्सी द्वारा लाइव प्रदर्शन के माध्यम से इसे जीवंत जाएगा। इसके अतिरिक्त लाभार्थियों की प्रेरणादायक कहानियां नाको की पहल के परिवर्तनकारी प्रभाव को प्रदर्शित करेंगी। साथ ही संगठन के मिशन को आगे बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण संसाधनों का अनावरण भी किया जाएगा।

यह कार्यक्रम नीति निर्माताओं, सरकार, नागरिक समाज, समुदायों, युवाओं और विकास भागीदारों के प्रतिनिधियों सहित विविध हितधारकों को एक साथ लाएगा। स्वास्थ्य सेवा में समानता को आगे बढ़ाने और महामारी के खिलाफ सामूहिक कार्रवाई को प्रेरित करने के प्रयासों में व्यापक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए कार्यक्रम को देश भर में लाइव स्ट्रीम किया जाएगा।

औद्योगिक ईकाईयों पर 9 करोड़ 50 लाख का संपत्तिकर बकाया

निगम सख्त कार्यवाही कर संपत्तिकर की वसूली करेगा

देवास। औद्योगिक क्षेत्र मे स्थित 383 औद्योगिक ईकाईयों पर संपत्तिकर की राशि का 9 करोड़ 50 लाख बकाया होने की दशा में नगर निगम द्वारा बकाया करों की वसूली सख्ती से करेगा। इस हेतु निगम द्वारा औद्योगिक ईकाईयों का संपत्तिकर बकाया होने के बिला जारी किये जाकर तामिल कराये जा रहे है। साथ ही ईकाईयों के ईमेल के माध्यम से भी बकाया संपत्ति की सूचना दी जा रही है। जिन औद्योगिक ईकाईयों द्वारा संपत्तिकर जमा नही कराया जा रहा है। उनके विरूद्ध प्रकरण तैयार कर विभागीय कार्यवाही प्रस्तावित की जावेगी। ईकाईयों से संपत्तिकर की वसूली हेतु महापौर श्रीमती गीता दुर्गेश अग्रवाल के निर्देश पर आयुक्त रजनीश कसेरा के द्वारा वसुली दल का गठन भी किया गया है। जिसमे दल प्रभारी प्र. सहायक यंत्री दिनेश चौहान को बनाया जाकर राजस्व अधिकारी प्रवीण पाठक एवं राजस्व निरीक्षक राजेश जोशी को दल में शामिल कर वसूली की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जो निगम उपायुक्त देवबाला पिपलोनिया के मार्गदर्शन मे औद्योगिक ईकाईयों से संपत्तिकर की वसूली की कार्यवाही करेगा।

बेअर लॉकर उद्योग एवं एक्ट ईव फाउंडेशन के प्रयासों से जिले के अंतिम छोर के विद्यालयों को भी मिलने लगी फर्नीचर सौगात

देवास। जिले के फर्नीचर विहीन स्कूलों के जो बच्चे अब तक जमीन पर बैठकर पढ़ाई करते थे उन्हें जिलाधीश श्री ऋषव गुप्ता के प्रयासों व सामाजिक संस्था और उद्योगों की सहायता से अब फर्नीचर मिलने लगा है। अब यह सिलसिला जिले के अंतिम छोर के विद्यालयों तक भी पहुँचने लगा है।

शुक्रवार को कन्नौद तहसील के कलवार ग्राम के प्राथमिक और माध्यमिक स्कूल के बच्चों को बेअरलॉकर उद्योग के माध्यम से तथा एक्ट ईव फाउंडेशन के समन्वय से 100 सेट फर्नीचर की सौगात मिली। बेअरलॉकर एडिटिव्स इन्डिया के प्रबंधक प्रवीण शर्मा तथा एक्ट ईव फाउंडेशन अध्यक्ष मोहन वर्मा वर्मा ने बताया कि अब तक 50 से अधिक स्कूलों में 1300 सेट फर्नीचर उपलब्ध करवाया जा चुका है और आने वाले दिनों में इसी क्षेत्र के हरनगांव और ओंकारा के स्कूलों में 200 सेट फर्नीचर दिया जाना है। फर्नीचर लोकार्पण के मुख्य अतिथि जिला पंचायत सीईओ श्री हिमांशु प्रजापति थे। अन्य अतिथि के रूप में बेअरलॉकर उद्योग के अनूप जैन, बीआरसी श्री राम बागड़ी,संकुल प्राचार्य प्रतिनिधि जितेंद्र गुप्ता, सरपंच श्रीमती ममता दांगी,मनीषा मीना,जितेंद्र गुप्ता भी मंचासीन थे। पंचायत सीईओ श्री हिमांशु प्रजापति ने जिले के सुदूर गांवों तक फर्नीचर उपलब्ध करवाने के लिए बेअरलॉकर उद्योग तथा एक्ट ईव फाउंडेशन की सराहना की और उम्मीद की कि यह सिलसिला जिले के सभी स्कूलों में फर्नीचर उपलब्ध होने तक जारी रहेगा। प्रारंभ में प्रधान अध्यापक राधेश्याम कालेन ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन संतोष पंचोली ने किया। कार्यक्रम में बेअरलॉकर के किशनसिंह कुशवाह,विनोद यादव सहित स्कूल स्टाफ तथा अनेक पालक उपस्थित थे।

सत्ता का सर्कस

विंध्य-बुंदेलखंड की बहुसंख्यक राजनीति में सरकार क्यों बनी तमाशबीन?

दिनेश गुप्ता

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

विंध्य,बुंदेलखंड और ग्वालियर-चंबल मध्यप्रदेश के वो इलाके हैं,जहां धर्म से ज्यादा जाति की राजनीति का रंग देखा जाता है। पिछले कुछ दिनों से इन इलाकों की राजनीतिक गतिविधियां इस बात की ओर इशारा कर रही हैं हैं कि यहां भी अब धर्म को आगे लाने की कोशिशें तेज हो गई हैं। विंध्य में धर्मांतरण के अलावा मंदिर की जमीन पर कब्जे का घटनाक्रम इस बात की पुष्टि कर रहा है। बुंदेलखंड में बहुसंख्यक समाज को एकजुट करने बागेश्वर धाम के पंडित धीरेन्द्र शास्त्री पदयात्रा के जरिए सक्रिय हुए हैं। मंदिर की जमीन से जुड़े घटनाक्रम में मऊगंज के विधायक प्रदीप पटेल को लेकर सरकार का रवैया भी चौंकाने वाला है। शायद सरकार भी विंध्य में सांप्रदायिक टकराव को टालने के पक्ष में दिखाई नहीं देती है। दिलचस्प यह भी है कि धर्म की आड़ में जो सियासत देखने को मिल रही है,उसमें सत्ताधारी दल भाजपा के लोग ही फ्रंट पर हैं। संभव है कि यह पार्टी की आंतरिक राजनीति का नतीजा हो?

मऊगंज के विधायक प्रदीप पटेल पिछले दिनों एक वायरल फोटो के कारण चर्चा में आए थे। इस वायरल फोटो में प्रदीप पटेल मऊगंज के अपर पुलिस अधीक्षक अनुराग पांडे के पैरों में पड़े दिख रहे थे। विधायक जिले में नशे का कारोबार को लेकर पुलिसिए रवैये से नाराज थे। प्रदीप पटेल की इस वायरल फोटो का घटनाक्रम भी पार्टी में विधायकों की नाराजगी से जाकर जुड़ गया। नतीजा यह हुआ कि सरकार ने उनकी अनदेखी शुरू कर दी। पार्टी ने भी पटेल के सरकार विरोधी व्यवहार से अपने आपको दूर कर लिया। इससे पहले जून में लोकसभा चुनाव परिणामों के तत्काल बाद पटेल सहकारिता विभाग के कार्यालय में रात भर धरने पर बैठे रहे। पटेल की मांग थी कि सहकारी बैंक में जिन लोगों का पैसा जमा है,वह लौटाया जाए। रीवा ही नहीं राज्य के कई जिला सहकारी बैंक ऐसे हैं जिनमें हुए घोटालों के कारण जमाकर्ताओं को उनकी राशि वापस नहीं मिल रही है। देश के दूरसंचार मंत्री और गुना-शिवपुरी के सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया के संसदीय क्षेत्र के शिवपुरी सहकारी बैंक की भी यही स्थिति है। अफसरों के घोटाले के कारण जमाकर्ताओं को उनकी राशि वापस क्यों नहीं की जा रही है,यह बड़ा सवाल है। क्या इस मामले में भी पार्टी की आंतरिक राजनीति का शिकार जमाकर्ताओं को बनाया जा रहा है? प्रदीप पटेल से जुड़ा ताजा घटनाक्रम मंदिर की जमीन का है। महादेवन मंदिर की 9 एकड़ 27 डिसमिल जमीन को लेकर है। यहां मुस्लिम समुदाय और दलित परिवारों के करीब 70 से 75 घर हैं। मुस्लिम समुदाय के लोगों का का दावा है कि यहां उनके पुश्तैनी मकान हैं। उनकी ओर से जबलपुर हाई कोर्ट में पिटीशन भी दायर की गई है। विधायक प्रदीप पटेल जेसीबी लेकर महादेवन मंदिर के पास मौजूद दो एकड़ की विवादित जमीन पर पहुंच गए थे। दोनों तरफ से पथराव हुआ था। जिसके बाद विधायक और उनके सहयोगियों को हिरासत में ले लिया गया था। वहां तनाव को देखते हुए धारा 163 (पहले ये धारा-144 होती थी) लगा दी गई है। इससे पहले हिंदू नेता संतोष तिवारी मंदिर के पास कब्जा हटाने की मांग लेकर अनशन पर बैठे थे। उनका कहना था कि 90 फीसदी जमीन पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने कब्जा किया हुआ है। इसे अतिक्रमण मुक्त कराया जाना चाहिए। दो दिन बाद भाजपा कार्यकर्ता जेसीबी लेकर पहुंच गए। थोड़ी देर बाद विधायक प्रदीप पटेल भी वहां पहुंच गए। विधायक ने कहा कि प्रशासन की बात पर अब भरोसा नहीं है। खुद अतिक्रमण हटाएंगे। प्रदीप पटेल का दावा था कि चार महिने पहले जब प्रदर्शन किया था तब कलेक्टर ने कार्यवाही का आश्वासन दिया था। इस बार बात बढ़ी तो मामला पटेल की गिरफ्तारी तक जा पहुंचा। जबकि पुलिस कह रही है कि उन्हें नजरबंद किया गया। विधायक प्रदीप पटेल अपने सामने ही अतिक्रमण हटाने की बात पर अड़े रहे। वहीं, एसपी और कलेक्टर उन्हें समझाते रहे, लेकिन वे मानने को तैयार नहीं थे। इसके बाद उन्हें वज्र वाहन में बैठाकर जबरन मऊगंज भेजा गया। इसके बाद उन्हें रीवा ले जाकर एक सामुदायिक भवन में रखा गया है। जब उन्हें छोड़ा गया तो वे फिर गांव की ओर चल पड़े। पुलिस को नई धाराएं जोड़कर उनकी गिरफ्तारी करना पड़ी। मध्य प्रदेश के विंध्य और बुंदेलखंड क्षेत्र की 56 सीटों की अगर बात की जाए तो बीते विधानसभा चुनाव में विंध्य क्षेत्र की 30 सीटों पर कांग्रेस का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा था। उसे केवल पांच सीटों पर जीत मिली थी, जबकि बीजेपी ने 25 सीटें अपने नाम की थीं। बुंदेलखंड की 26 सीटों में से 21 पर भारतीय जनता पार्टी की जीत हुई है जबकि कांग्रेस इस इलाके की महज 5 सीट जीतने में सफल हुई है। ग्वालियर-चंबल अंचल में विधानसभा की कुल 34 सीटें हैं। राज्य के ये तीनों इलाके वे हैं जहां के नतीजे सरकार बनाने में निर्णायक भूमिका अदा करते हैं। राज्य का निमाड़-मालवा अंचल अथवा भोपाल-होशंगाबाद संभाग के जिलों में प्रायः बहुसंख्यक-अल्पसंख्यक वर्ग का मुद्दा हावी रहता है। चुनाव जब भी जाति की राजनीति पर होता है तब कांग्रेस का पलड़ा भारी होता है। जिस तरह 2018 के विधानसभा चुनाव में देखा गया था। चुनाव से ठीक पहले ग्वालियर-चंबल अंचल में अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम को लेकर हुई जातीय हिंसा के कारण कांग्रेस ज्यादा सीटें जीतने में सफल रही थी। पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की सीट ग्वालियर-चंबल अंचल में भी घट गई जिसके कारण उसका वोट प्रतिशत भी गिरा।

कांग्रेस की लगातार कोशिश यही रहती कि वह चुनाव को जातीय राजनीति के ईद गिर्द रखे। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने संविधान बचाओ के जरिए भी इस जातीय कार्ड का उपयोग किया। इसका लाभ भी उसे मिला। पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस अपने मुख्य विपक्षी दल के जिस दर्जे को खो चुकी थी, वह उसे इस बार वापस मिल गया। यद्यपि हरियाणा विधानसभा चुनाव में उसका जातीय कार्ड फेल हो गया। लोकसभा चुनाव के अप्रत्याशित नतीजों से भी भारतीय जनता पार्टी ने कुछ सबक लिया। उसने जाति की राजनीति के मुकाबले में बहुसंख्यक हिन्दू राजनीति की धार को और तेज कर दिया। महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा के चुनाव नतीजों पर भी इसका असर देखने को मिल सकता है।

विंध्य की मौजूदा सियासत भी बहुसंख्यक हिन्दू राजनीति की ओर बढ़ गई है। प्रदीप पटेल से पहले त्यौंथर विधायक सिद्धार्थ तिवारी ने रीवा के अमहिया की एक मस्जिद को लेकर विवाद खड़ा किया। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले भाजपा विधायक सिद्धार्थ तिवारी ने कहा कि नवरात्रि पर मजार का अतिक्रमण हटाया जाना चाहिए। इसे लेकर उन्होंने सोशल मीडिया पर दो पोस्ट भी की। मुस्लिम समाज ने कहा कि उनके इस बयान से भावनाएं आहत हुई। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण हटाने की शुरुआत करनी ही है तो विधायक के घर से की जाए। सिद्धार्थ तिवारी रीवा के उस ताकतवर राजनीतिक परिवार से रिश्ता रखते हैं जिसने दशकों तक कांग्रेस में राजनीति की। उनके दादा श्रीयुत श्रीनिवास तिवारी विधानसभा अध्यक्ष रहे। पिता सुंदरलाल तिवारी भी सांसद रहे थे। इन दोनों की राजनीति में अल्पसंख्यक वोटों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। सिद्धार्थ तिवारी ने भाजपा में आने के बाद इन्हीं वोटों पर निशाना साधा। सिद्धार्थ तिवारी ने दूसरी पोस्ट में लिखा-आते-जाते हुए मुझे लगा कि अतिक्रमण है। इसकी वजह से लोगों को आने-जाने में असुविधा हो रही हैं। मैं इसी अमहिया में पैदा हुआ। मेरे पिता का जन्म भी यहीं हुआ था। पिछले 7-8 दशकों से यहां हमारा घर रहा है। जब हम छोटे थे, अमहिया मोड़ से होकर गुजरा करते थे। उस समय एक छोटा सा 3 बाय 3 का चबूतरा हुआ करता था। जिस पर चादर डली होती थी। शायद कुछ लोगों की आस्था का प्रतीक भी रहा होगा। उस जमाने में किनारे पर छोटा सा बनाया हुआ था, तब मजार की वजह से आने-जाने में कोई परेशानी नहीं हो। दिलचस्प यह है कि जिस तरह सरकार ने प्रदीप पटेल की मांग को अनदेखा किया उसी तरह सिद्धार्थ तिवारी की मांग को नजरअंदाज किया।

दूसरी और सीधी में भाजपा और हिन्दूवादी संगठनों से जुड़े कार्यकर्ता धर्मांतरण को मुद्दा बना रहे हैं। भाजपा ने धर्मांतरण को हमेशा ही मुद्दा बनाया। लेकिन, उसी की पार्टी की सरकार में यदि धर्मांतरण हो रहा है तो मामला और भी गंभीर हो जाता है। नेतृत्व पर भी सवाल खड़े होना स्वभाविक है। सीधी में आरोप है कि यहां एक शख्स लोगों का इलाज के नाम पर धर्मांतरण कर रहा है। उसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। इसमें वह कुछ लोगों को फूंक मार रहा है। फूंक मारते ही लड़के और लड़कियां जमीन पर गिर रहे हैं। फिर, वह उन्हें उठाकर कुछ बोलकर ठीक करने का दावा कर रहा है। इसके बाद सब लोग तालियां बजाकर उसकी बात का स्वागत कर रहे हैं।

हिंदूवादी संगठनों का कहना है कि सीधी जिले में धर्म परिवर्तन नहीं थम रहा। जिले के बहरी इलाके में हजारों की संख्या में हिंदू धर्म के लोगों ने अपना धर्म बदल लिया है। धर्म परिवर्तन कर ईसाई बनने का दावा किया गया है। बजरंग दल के ऋषि शुक्ला ने कहा कि बहरी के रहने वाले बाबू लाल जायसवाल ने अपना धर्म बदल लिया है। इसके बाद वह अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित कर रहा है। शुक्ला ने कहा कि अगर प्रशासन कार्रवाई नहीं करेगा तो हमारा संगठन फिर खुद इस पर एक्शन लेगा।

यहां सबसे महत्वपूर्ण सवाल यही है कि क्या यह घटनाक्रम राज्य प्रायोजित है? राज्य में नई सरकार के गठन के बाद से ही पूरा सरकारी माहौल धर्म से सरावोर दिखाई दे रहा है। शायद ही कोई ऐसा दिन होता है जिस दिन सरकार प्रायोजित कोई धार्मिक आयोजन दिखाई न दे? देवउठनी एकादशी पर पहली बार किसी मुख्यमंत्री को तुलसी विवाह के कार्यक्रम में देखा गया। कार्यक्रम भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने रखा था। मुख्यमंत्री का वहां जाने का पहले कोई कार्यक्रम नहीं था। वे अचानक ही वहां पहुंच गए थे। राज्य में विधानसभा का अगला चुनाव नवंबर 2028 में होना है। इससे पहले उज्जैन में सिंहस्थ का आयोजन होगा। उज्जैन ही मुख्यमंत्री का गृह क्षेत्र है। इस कारण उनकी प्राथमिकता में भी है। लेकिन, बुंदेलखंड अभी भी उनकी प्राथमिकता से बाहर है। इस अंचल की खजुराहो सीट से पार्टी अध्यक्ष वीडी शर्मा विधायक हैं। यहां बहुसंख्यक समाज को एकजुट करने का काम धीरेन्द्र शास्त्री कर रहे हैं। अंचल में उनकी पदयात्रा चल रही है। उनके बयान भी वोटों के ध्रुवीकरण वाले हैं।

हृदय रोग पीड़ित जैन को पीएमश्री एयर एम्बुलेंस से लिफ्ट कर भेजा हैदराबाद

आयुष्मान योजना से मिली नि :शुल्क सेवा

भोपाल (नप्र)। पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा आपात स्थितियों में नागरिकों को समय से उपयुक्त चिकित्सकीय सेवा मुहैया कराने में वरदान साबित हो रही है। इससे बहुमूल्य जीवन को बचाया जा रहा है। नरसिंहपुर जिले के करेली निवासी हृदय रोग से पीड़ित श्री विमल कुमार जैन (उम्र-70 वर्ष) को पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा से बेहतर उपचार के लिये एयर लिफ्ट कर हैदराबाद भेजा गया। जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर द्वारा हृदय रोगी श्री जैन की स्थिति को देखते हुए कीम्स अस्पताल, हैदराबाद रेफर किया गया। जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर से 108 एम्बुलेंस से श्री जैन को जबलपुर एयरपोर्ट तक पहुंचाया गया। जबलपुर से उन्हें पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा से कीम्स अस्पताल, हैदराबाद के लिए भेजा गया। यह सेवा आयुष्मान भारत योजना के हितग्राही श्री जैन को निःशुल्क प्रदान की गई।

पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा से प्रदेश में कहीं भी चिकित्सा आपात स्थिति उत्पन्न होने या चिन्हित विशेष प्रकार की चिकित्सा सुविधा या चिकित्सा विशेषज्ञों की आवश्यकता निर्मित होने पर कठिन भौगोलिक परिस्थिति में प्रदेश के दूरस्थ अंचलों तक पहुंचकर उन्नत आपातकालीन चिकित्सा द्वारा मरीजों को स्थिर कर उच्च चिकित्सा केन्द्रों तक एयर लिफ्ट किये जाने की सेवा प्रदाय की जाती है। पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा के अंतर्गत हेली एम्बुलेंस एवं फिक्सड विंग कनवरटेंट फलाईंग एम्बुलेंस संचालित हो रही हैं। पीएम एयर एम्बुलेंस में उच्च स्तरीय प्रशिक्षित चिकित्सकीय एवं पैरामेडिकल स्टॉफ की टीम हमेशा तैनात रहती है।

मैहर के कुआं गांव में हाईटेंशन तार में फंसे हाथी की मौत

सप्लाई बंद की, पर जा चुकी थी जान

सतना(नप्र)। शहडोल के रास्ते से मैहर के रामनगर पहुंचे जंगली हाथी, सुबह तकरीबन 4:30 बजे हाई टेंशन तार में फंसने के कारण मेल हाथी की मौत हो गई है। सूचना मिलते ही कलेक्टर मैहर एवं डीएफओ मौके पर पहुंचे विद्युत सप्लाई कराई गई बंद।

शहडोल से बूढ़ा बाउर ग्राम पंचायत के कुआं गांव में पहुंचे थे हाथी- शहडोल जिले की जंगलों में एक हफ्ते से मूवमेंट कर रहे जंगली ही हाथियों का दल बीती रात मैहर जिले के रामनगर तहसील अंतर्गत बूढ़ा बाउर ग्राम पंचायत के गांव कुआं पहुंच गया। जहां विद्युत विभाग की हाइट टेंशन के तार में चपेट में आने से एक मेल हाथी की मौत हो गई है। अभी क्षेत्र में चार जंगली हाथियों का मूवमेंट बताया जा रहा है।

जशोदा बेन ने किए महाकाल दर्शन

गर्भगृह की देहरी पर टेका माथा, नंदी हॉल में बैठकर लगाया ध्यान

उज्जैन (नप्र)। शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की धर्मपत्नी जशोदा बेन श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंची। उनके साथ परिवार के लोग भी थे। उन्होंने भोग आरती के बाद मंदिर के गर्भगृह की देहरी से पूजन कर दर्शन किए। बाद में उन्होंने कुछ देर नंदी हॉल में भी बैठकर ध्यान भी लगाया। पुजारियों ने आशीर्वाद स्वरूप जशोदा बेन को भगवान महाकाल पर चढ़ा हुआ वस्त्र और पुष्प माला दी।

बता दें कि जशोदा बेन की महाकाल में गहरी आस्था है। वे पूर्व में कई बार बाबा के दर्शन करने आ चुकी हैं।

मध्य प्रदेश में पहली बार किडनी स्वैप ट्रांसप्लांट

ब्लड ग्रुप मैच नहीं होने की वजह से एक दूसरे के पति को किडनी डोनेट किया

इंदौर (नप्र)। इंदौर में पहली बार किडनी स्वैप ट्रांसप्लांट हुआ है। दोनों महिलाओं ने किडनी ट्रांसप्लांट कर एक दूसरे के पति की जान बचाई है। मध्य प्रदेश में पहली बार किडनी स्वैप ट्रांसप्लांट हुआ है। दोनों महिलाओं का पति से ब्लड ग्रुप मैच नहीं हो रहा था। इसके बाद दोनों महिलाओं ने एक-दूसरे के पति को किडनी डोनेट कर जान बचाई है।

एक ही समय में दोनों का हुआ किडनी ट्रांसप्लांट- एमपी की आर्थिक राजधानी इंदौर में एक अनोखा मामला सामने आया है, जहां दो महिलाओं ने अपने पतियों की जान बचाने के लिए एक-दूसरे के पति को किडनी दान की। यह मध्य प्रदेश में पहला इंटर हॉस्पिटल किडनी स्वैप ट्रांसप्लांट है। दोनों ट्रांसप्लांट एक ही समय पर अलग-अलग अस्पतालों में किए गए। (स्टेट ऑर्गन एंड टिशु ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन) से इसकी विशेष अनुमति ली गई थी। यह घटना 29 नवंबर 2024 को हुई। इसमें एक 31 वर्षीय और एक 47 वर्षीय पुरुष शामिल थे, जिनकी किडनी खराब हो चुकी थी। उनकी पत्नियों का ब्लड ग्रुप उनसे मैच नहीं कर रहा था, इसलिए यह अनोखा उपाय अपनाया गया।

दोनों का बच गया सुहाग- इंदौर में दो परिवारों के लिए खुशी का मौका आया, जब उनकी किडनी की बीमारी से जूझ रहे सदस्यों को नया जीवनदान मिला। यह सब मुमकिन हुआ दो महिलाओं की अपने पतियों के प्रति अटूट प्रेम और समर्पण से। उन्होंने एक दूसरे के पति को अपनी किडनी देकर एक मिसाल कायम की।

एक ही समय में किडनी ट्रांसप्लांट

नेफ्रोलाजिस्ट डॉ संदीप सक्सेना और डॉ नेहा अग्रवाल ने इस पूरी प्रक्रिया को अंजाम दिया। उन्होंने बताया कि ट्रांसप्लांट के लिए एसओटीओ से मंजूरी लेनी होती है। हमने रिपोर्ट और दस्तावेज एसओटीओ के हेड डॉ. संजय दीक्षित के सामने प्रस्तुत किए। जांच करने के बाद हमें ट्रांसप्लांट की मंजूरी दी।

मेडिकल क्षेत्र में बड़ी कामयाबी

यह पूरा ऑपरेशन बड़ी ही सावधानी और नियोजन के साथ किया गया। दोनों अस्पतालों के डॉक्टरों ने आपस में तालमेल बिठाकर इस मुश्किल काम को अंजाम दिया। यह चिकित्सा क्षेत्र में एक बड़ी कामयाबी है और दोनों परिवारों के लिए एक नई शुरुआत। यह घटना दूसरों के लिए भी प्रेरणा का काम करेगी और अंगदान के महत्व को रेखांकित करेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने म्यूनिख में की सराहनीय पहल जर्मन निवेशक को भोपाल के औद्योगिक क्षेत्र में भूमि आवंटन का पत्र सौंपा

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की जर्मनी यात्रा ने प्रदेश के औद्योगिक विकास को एक नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया है। गुरूवार को डॉ. यादव ने निवेशकों से मिलने के बाद एसईडीएस को भोपाल में भूमि आवंटित की। यह निर्णय मध्यप्रदेश को वैश्विक औद्योगिक मानचित्र पर एक नए केंद्र के रूप में स्थापित करेगा।

भोपाल को मिलेगा वैश्विक औद्योगिक केंद्र का दर्जा- भोपाल के अचारपुरा में जर्मन कंपनी एसईडीएस लिमिटेड को 27,200 वर्गमीटर (6.72 एकड़) जमीन आवंटित की गई है। इस समझौते के तहत कंपनी ने भोपाल में अपनी औद्योगिक इकाई स्थापित करने के लिए 100 करोड़ रूपये से ज्यादा का प्रस्ताव दिया है। इस कम्पनी की स्थापना से सैकड़ों लोगों को रोजगार मिलेगा। इस उद्योग की स्थापना से एक्स-रे मशीन निर्माण एवं अन्य उपकरण, सौर ऊर्जा पॉवर प्लांट सहित नैनो इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में कार्य किया जायेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की इस यात्रा ने प्रमाणित कर दिया है कि मध्यप्रदेश में निवेशकों के लिए अब ऐसा माहौल तैयार हो चुका है, जहां व्यापार को बढ़ावा देने के साथ-साथ उन्हें हरसंभव सहयोग दिया जा रहा है। उनकी दूरदर्शी सोच और निवेशकों के प्रति सकारात्मक रवैया ने ही जर्मन कंपनी को प्रदेश में अपने विस्तार की प्रेरणा दी है। भोपाल में जर्मन कंपनी एसईडीएस को भूमि आवंटन मात्र एक शुरुआत है। यह साझेदारी न केवल औद्योगिक विकास की एक नई लहर लाएगी, बल्कि इसे प्रदेश के समग्र विकास के रूप में देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की इस ऐतिहासिक यात्रा ने यह भी प्रमाणित कर दिया है कि मध्यप्रदेश न केवल भारत बल्कि वैश्विक निवेश का अगला प्रमुख केंद्र बनने की पूरी क्षमता रखता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने म्यूनिख में भारतवंशियों से संवाद कार्यक्रम में संबोधित किया।

पचमढ़ी से भी ठंडा भोपाल, पारा 8.2 डिग्री

मप्र में मंडला सबसे ठंडा, पारा 6.8 डिग्री,बर्फीली हवाओं से कांपा पूर्वी हिस्सा

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल की रात हिल स्टेशन पचमढ़ी से भी ठंडी हो गई है। गुरुवार-शुक्रवार की रात भोपाल में तापमान 8.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं पचमढ़ी में पर 9.6 डिग्री रहा। सबसे ठंडा पूर्वी हिस्से का मंडला शहर रहा। यहां न्यूनतम तापमान 6.8 डिग्री दर्ज किया गया। बैतूल में 9.4 डिग्री, राजगढ़ में 8 डिग्री, जबलपुर में 8.5 डिग्री, खजुराहो में 9.4 डिग्री, नौगांव में 8 डिग्री, रीवा में 9.5 डिग्री, उमरिया में 7.4 डिग्री और मलाजखंड में 9.5 डिग्री तापमान रहा। बड़े शहरों की बात करें तो इंदौर में 12.2 डिग्री, ग्वालियर में 10 डिग्री और उज्जैन में 12 डिग्री तापमान दर्ज किया गया।

बर्फीली हवा की वजह से शहडोल, मंडला जैसे छोटे शहर शिमला, माउंट आबू, देहरादून, जम्मू और कटरा से भी ठंडे हैं। यहां रात का टेम्प्रेचर 7 डिग्री से नीचे पहुंच गया है। दिन भी सर्द हैं। सर्दी और कोहरे की वजह से ट्रेनों में रेलवे ने फॉग सेफ डिवाइस लगाई हैं।

मौसम वैज्ञानिक कुमार ने बताया कि पश्चिम-उत्तर भारत के ऊपर जेट स्ट्रीम 278 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से बह रही है। एक दिन में ही 18 किमी रफ्तार बढ़ी है। इस वजह से प्रदेश में भी सर्द हवाएं आ रही हैं। अभी हवा की ऊंचाई 12.6 किमी है। जब यह नीचे बहेगी, तब ठंड का असर और तेज हो जाएगा। इसके अलावा पूर्वी हिस्से में एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम और दक्षिण-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी के ऊपर डीप डिप्रेशन एक्टिव है। इसका असर भी प्रदेश में देखने को मिल रहा है।

सीएस की पहल पर मंत्रालय में पहली बार हुआ डीजीपी का विदाई कार्यक्रम

भोपाल । प्रशासनिक परंपरा से हटकर मुख्य सचिव अनुराग जैन की पहल पर शुक्रवार की शाम को पहली बार मंत्रालय में सेवानिवृत्त हो रहे पुलिस महानिदेशक सुधीर सक्सेना का विदाई कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में शुक्रवार को ही सेवानिवृत हुये पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव मलय श्रीवास्तव को भी मुख्य सचिव ने गुलदस्ता भेंट कर विदाई दी। कार्यक्रम में अनेक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे। मुख्य सचिव ने डीजीपी श्री सक्सेना और अपर मुख्य सचिव मलय श्रीवास्तव के कार्यों को उत्कृष्ट बताया। वहीं श्री श्रीवास्तव के सेवानिवृत होने पर 1993 बेच के आईएस अफसर अनुपम राजन अपर मुख्य सचिव के पद पर प्रमोट होंगे। इधर लाल परेड ग्राउंड में शनिवार को सेवानिवृत हो रहे डीजीपी सुधीर सक्सेना विदाई का समारोह है जिस में डीजीपी बेटी सलामी देंगी।